वर्ष-10 अंक-234 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, गुरुवार 28 नवम्बर, 2024
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
नगर संस्करण
10
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From Google Play
Adhunik Samachar
आधुनिक समाचार नेटर्वक

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एनसीआर में हाइब्रिड मोड पर खुलेंगे स्कूल-कॉलेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शिक्षा के ऑनलाइन मोड का उपयोग करने का विकल्प छात्रों और उनके अभिभावकों के पास होगा। ऐसे में छात्रों को ग्रैप की पाबंदियों से कुछ हद तक राहत मिली है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के तीसरे-चौथे

चरण (ग्रेप 3 व 4) की पाबंदियों में ढील दी है। आयोग ने शैक्षणिक संस्थाओं, स्कूलों-कॉलेजों में सभी कक्षाएं हाइब्रिड तरीके में शुरू करने की अनुमति दे दी है। अब दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद में 12वीं तक के स्कूल ऑफलाइन व ऑनलाइन पढ़ाई करा सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दिन में ही आयोग से कहा था, वह मिड-डे मील से वंचित व ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने में असमर्थ छात्रों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए स्कूल खोलने की अनुमति देने पर विचार करे।आयोग ने सोमवार को नवीनतम आदेश में शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े नियमों में छूट दी है, जो तत्काल लागू हो गई हैं। आदेश में कहा है, दिल्ली-एनसीआर की राज्य सरकारें सुनिश्चित करेंगी कि स्कूलों व कॉलेजों में 12वीं तक की कक्षाएं हाइब्रिड मोड में चलाई जाएं। इसके मायने हैं, जहां ऑनलाइन की सुविधा होगी, वहां छात्रों को स्कूल आने की जरूरत नहीं होगी। आयोग ने आदेश में स्पष्ट किया, पढ़ाई के लिए ऑनलाइन मोड का उपयोग करने का विकल्प छात्रों व उनके अभिभावकों के पास होगा।

राष्ट्रपति ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया, संविधान सभा के सदस्यों को याद किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। मंगलवार को देश में संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो गए। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू संविधान दिवस के अवसर पर विशेष सिक्का भी जारी करेंगी। आज संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह संयुक्त सत्र संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित हुआ। मंगलवार को देश में संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो गए हैं। इस दौरान राष्ट्रपति

मुर्मू ने संविधान दिवस के अवसर पर विशेष स्मारक सिक्का भी जारी किया। साथ ही राष्ट्रपति ने एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया। संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति ने संस्कृत भाषा में संविधान की प्रति का विमोचन किया गया। संविधान दिवस पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान दिवस के पावन अवसर पर आप सभी के बीच आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आज हम सब एक ऐतिहासिक अवसर के भागीदार बन रहे हैं। 75 साल पहले संसद के इसी कक्ष में देश के संविधान के निर्माण का बहुत बड़ा काम संपन्न किया और उसी दिन इस संविधान को अपनाया गया। संविधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की आधारशिला है। आज कृतज्ञ राष्ट्र की तरफ से संविधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। बाबा आंबेडकर ने संविधान सभा का नेतृत्व किया। भारत लोकतंत्र की जननी है। इसी भावना के साथ हम इस विशेष अवसर पर इकट्ठा हुए हैं। हमें उन अधिकारियों के अमूल्य योगदान को भी याद रखना चाहिए, जिन्होंने नेपथ्य में रहकर काम किया। जिनमें प्रमुख भूमिका बीएन राव की थी, जो संविधान सभा के सलाहकार थे।

शादी में आया हूं, राजनीति के लिए नहीं', फडणवीस ने अचानक दिल्ली आने की खुद बताई वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सोमवार की शाम को अचानक से देवेंद्र फडणवीस दिल्ली पहुंचे। फडणवीस के दिल्ली दौरे चल रहा है। सोमवार की शाम को अचानक से देवेंद्र फडणवीस दिल्ली पहुंचे। फडणवीस के दिल्ली दौरे को उनकी ताजपोशी से जोड़ा गया,

को उनकी ताजपोशी से जोड़ा गया, लेकिन फडणवीस ने अब खुद अपने दिल्ली दौरे की वजह बताई है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में महायुति की प्रचंड जीत के बाद इस बात की चर्चा है कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे लेकिन फडणवीस ने अब खुद अपने दिल्ली दौरे की वजह बताई है। दरअसल देवेंद्र फडणवीस दिल्ली में किसी राजनीतिक बैठक के लिए नहीं बल्कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की बेटी की शादी में शामिल होने पहुंचे। फडणवीस ने खुद मीडिया से बात करते हुए कहा था कि वह दिल्ली में शादी में शामिल होने ही आए थे और उनके दिल्ली दौरे का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल पहले चर्चा थी कि देवेंद्र फडणवीस दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सकते हैं। दरअसल पहले चर्चा थी कि देवेंद्र फडणवीस दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि खुद फडणवीस ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलने की कोई योजना नहीं है। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में महायुति ने 288 में से 234 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसमें से भाजपा ने 132 सीटों पर जीत दर्ज की और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 57 और अजित पवार की एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत दर्ज की। अन्य सहयोगी चार सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रहे। इतने प्रचंड बहुमत के बाद अब महायुति गठबंधन में सीएम पद को लेकर माथापच्ची हो रही है। दरअसल एकनाथ शिंदे की पार्टी ने शिंदे को ही फिर से सीएम बनाने की मांग की है।

महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस बरकरार; एकनाथ शिंदे ने दिया सीएम पद से इस्तीफा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
महाराष्ट। महायुति में भाजपा को सीएम पद देने पर सहमति बन गई है और भाजपा की तरफ से

देवेंद्र फडणवीस को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। साथ ही शिवसेना और राकांपा गुट से भी एक-एक डिप्टी सीएम होगा। विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के बाद भाजपा और शिवसेना के बीच सीएम पद को लेकर खींचतान चल रही है। महाराष्ट्र में अगले सीएम को लेकर सस्पेंस बरकार है। अभी तक किसी नेता के नाम पर मुहर नहीं लगी है। इस बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई के राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, अगले सीएम के चुनाव तक एकनाथ शिंदे बतौर कार्यवाहक सीएम पद की जिम्मेदारियां संभालेंगे। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल आज समाप्त हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महायुति में भाजपा को सीएम पद देने पर सहमति बन गई है और भाजपा की तरफ से देवेंद्र फडणवीस को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। साथ ही शिवसेना और राकांपा गुट से भी एक-एक डिप्टी सीएम होगा। विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के बाद भाजपा और शिवसेना के बीच सीएम पद को लेकर खींचतान चल रही है। दरअसल शिवसेना एकनाथ शिंदे को ही सीएम बनाने की मांग कर रही है। शिवसेना महाराष्ट्र में भी बिहार फार्मूला लागू करने की मांग कर रही है, जहां भाजपा ने ज्यादा सीटें जीतने के बावजूद नीतीश कुमार को सीएम बनाया है। शिवसेना के सात सांसद भी प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं। इसे शिवसेना द्वारा दबाव की राजनीति करने के तौर पर भी देखा जा रहा है। वहीं शिवसेना विधायक और पार्टी प्रवक्ता संजय पांडुरंग शिरसाट ने मीडिया से बात करते हुए दावा किया है कि राज्य के नए सीएम का एलान 30 नवंबर यानी शनिवार को किया जाएगा। पहले ऐसी खबरें आ रहीं थी कि मंगलवार शाम तक ही सीएम के नाम का एलान हो सकता है, लेकिन अब शिवसेना विधायक के बयान से साफ है कि महायुति में सीएम पद पर दावे को लेकर खींचतान जारी है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एकनाथ शिंदे अगर सीएम नहीं बनते हैं तो वे डिप्टी सीएम का पद भी नहीं लेंगे और अपनी जगह पार्टी के ही किसी नेता को डिप्टी सीएम बना सकते हैं। महाराष्ट्र में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह कब होगा, ये अभी तय नहीं है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन ने शानदार जीत हासिल करते हुए राज्य की 288 सीटों में से 234 सीटों पर कब्जा कर लिया। इनमें से भाजपा ने सबसे ज्यादा 132, शिवसेना ने 57 और एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत दर्ज की है।

यह जीने का तरीका; जानें पीएम मोदी समेत केंद्रीय मंत्रियों ने क्या कहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संविधान दिवस के मौके पर मंगलवार को भारत के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट के बार एसोसिएशन में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान गरीबी, भुखमरी और लोकतांत्रिक प्रणाली की कमी से आज एक परिपक्व और जीवंत लोकतंत्र बनकर उभरा है, जो कि खुद पर भरोसा करता है और भू-राजनीतिक नेता है।उन्होंने कहा कि भारत की इस

उन्होंने संविधान की उपलब्धियां गिनाते हुए आजादी के बाद भारतीय लोकतंत्र में इसकी अहमियत का उल्लेख किया। सीजेआई ने संविधान को बदलाव वाला दृष्टिकोण और जीवन जीने का तरीका करार दिया। सीजेआई ने कहा, ठआजादी के बाद से ही भारत की यात्रा बदलावों भरी रही है। यह देश विभाजन के खौफ, कम पढ़ी लिखी आबादी, यात्रा के पीछे संविधान की अहम भूमिका रही है, जिसने इन बदलावों में मदद की। आज यह जीवन जीने का तरीका है। उन्होंने बार एसोसिएशन में अपनी भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि बार सदस्य के तौर पर मेरा कार्यकाल जज के कार्यकाल से ज्यादा है। जज बार से ही आते हैं और बाद में बार में ही चले जाते हैं।

अगले पांच साल में जीडीपी दोगुना करने के लक्ष्य, 14 और नई नीतियां तैयार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सशक्त उत्तराखंड25 के सरकार का 2027 तक राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को 346,206 करोड़ से बढ़ाकर 5,47,000 करने का लक्ष्य है। 14 नई नीतियों को सरकार गेम चेंजर के रूप में मानकर चल रही है।अगले पांच साल में राज्य की जीडीपी को दोगुना करने के लक्ष्य को साधने के लिए प्रदेश सरकार ने 14 और नई नीतियों के ड्राफ्ट तैयार कर लिए गए हैं। इन सभी नीतियों के प्रस्ताव अगले दो महीनों में प्रदेश मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए लाए जाएंगे।ये 14 नीतियां कृषि, अवस्थापना, पर्यटन, आयुष और वित्त विभाग की उन उन योजनाओं से जुड़ी हैं, जिन्हें सरकार गेम चेंजर के रूप में मानकर चल रही है। इन योजनाओं के जरिए प्रदेश की धामी सरकार हितधारकों की आजीविका में वृद्धि के साथ लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा करना चाहती है। सशक्त उत्तराखंड25 के सरकार का 2027 तक राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को 346,206 करोड़ से बढ़ाकर 5,47,000 करने का लक्ष्य है। 2030 तक इसे 7,68,000 तक करने की योजना है।

दरभंगा बिहार के कृषिकों का श्रीअन्न उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रसार निदेशालय संगम बॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय प्रयाग में दिनांक 27 नवंबर -1 दिसंबर 2024 तक संचालित होने वाले आत्मा योजना अगस्त जनपद दरभंगा बिहार राज्य के 30 कृषकों का पांच दिवसीय कृषि प्रशिक्षण सह परिभ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के अध्यक्षता करते हुए संयुक्त निदेशक प्रसार डॉक्टर ए के चौरसिया ने किसी को को श्रीअन्न के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक संरचना की दृष्टिगत हमारा भोजन और व्यवहार दोनों ही परिवर्तित हो गए हैं कहा कि भोजन और औषधि है अर्थात जिस प्रकार का झुकाव चावल और गेहूं की खेती की ओर अधिक है जिसके फल स्वरुप कृषक इन्हीं अनाजों की खेती करना अधिक पसंद करते हैं परंतु जलवायु परिवर्तन की दृष्टिगत कई बार फसले पर्याप्त लाभ नहीं दे पाती है जिससे किषकों को आर्थिक समस्याओं का सामान करना पड़ता है श्रीअन्न के प्रयोग द्वारा बहुत सारी बीमारियों को घर बैठे निदान किया जा सकता है जैसे कि विद्युत है कि श्रीअन्न श्रीअन्न ग्लाइसेमिक्स इंण्डेक्स और अनाज की तुलना में अत्यंत कम होता है जिसकी वजह से यह मधुमेह रूप से पीड़ित रोगियों के लिए एक स्वास्थ्यवर्धक आहार है इसके अतिरिक्त हृदय संबंधित रोगों एवं अन्य कई गंभीर बीमारियों का निदान श्रीअन्न की प्रयोग द्वारा किया जा सकता है इस अवसर

पर उन्होंने श्रीअन्न के विभिन्न उपयोगों के बारे में कृषिको के समक्ष चर्चा की और कहा कि वर्तमान में प्रशिक्षण कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन एवं परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिक ढंग से फसल उत्पादन पर केंद्रित रहेगा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए निदेशक प्रसाद डॉक्टर प्रवीण चरन ने कहा कि कुपोषण अनाज की समस्या का निदान होगा अभी दूसरी अन्य के उपभोग को बढ़ावा देकर किसी अपनी आर्थिक स्थिति भी उन्नत कर सकते हैं वर्तमान प्रजीकृत में उपभोक्ता लंबी जीवन अवधि के लिए उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं व्यस्त जीवनचार्य के कारण आसानी से बनने वाले उत्पादों का चयन करते हैं वर्तमान में स्थिति को ध्यान में रखते हुए मोटापे मधुमेह उदारी तथा अन्य जीव शैली संबंधित रोगों हेतु सशस्त्र मनीष कुमार केसरवानी के किसी को के समक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की तथा कहा कि पॉच दिवसी कार्यक्रम के दौरान सहभागिता करते हुए किषकों को न सिर्फ श्रीअन्न की सभी फसलों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी जाएगी अपितु प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के द्वारा श्रीअन्न प्रसंस्कृत उत्पादों को गृह एवं व्यावसायिक स्तर पर तैयार करने का हस्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा उन्होंने किसी को को श्रीअन्न की विभिन्न प्रकृति उत्पादों को तैयार करने की जानकारी प्रदान की पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सहभागिता कर रहे कृषिकों को रवि फसलों की वैज्ञानिक खेती की जाये और धार्मिक फसलों की खेती तथा श्रीअन्न फसलों की खेती का भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा उन्होंने अवगत कराया कि आगामी 5 दिनों में समन्वयक डॉक्टर अरुण यादव मानव जीवन में श्रीअन्न की माता पर चर्चा करते हो उसके साथ ही डॉक्टर योगेश चंद्र श्रीवास्तव जैविक खेती की तकनीक से अवगत कराएंगे तथा डॉक्टर टीडी मिश्रा और दैनिक फसलों की वैज्ञानिक खेती पर चर्चा करेंगे साथ ही डॉक्टर रामपाल सिंह पशुपालन के महत्व पर चर्चा करेंगे शस्य वैज्ञानिक डा0 शिशिर कुमार मोटे अनाजों की खेती पर चर्चा करेंगे कृषि वैज्ञानिक केंद्र पर इंचार्ज डॉक्टर मुकेश पी मसीह फूलों की खेती एवं पुराने अंपादक राम वह अमरूद के बाघों का जूडो द्वार के विषय में चर्चा करेंगे डॉक्टर सुबोध यादव पशुपालन एवं पशुओं में होने वाली बीमारियों एवं उनके निदान के विषय में चर्चा करेंगे साथी विश्वविद्यालय के विभिन्न के वैज्ञानिक द्वारा कृषि को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

रमाकान्त स्मृति कहानी पुरस्कार सम्मान समारोह 7 दिसंबर को, साथ में संग्रह 'नए रंग' का लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रमाकान्त स्मृति कहानी पुरस्कार दिया जाएगा। इसका आयोजन सात दिसंबर को होगा। जिसमें कथाकार निर्देश निधि, अंजू शर्मा,

आशा पांडेय, अखिलेश श्रीवास्तव चमन और गीताश्री को सम्मानित किया जाना है। रमाकान्त स्मृति कहानी पुरस्कार से अगले महीने 7 दिसंबर को कथाकार निर्देश निधि, अंजू शर्मा, आशा पांडेय, अखिलेश श्रीवास्तव चमन और गीताश्री को सम्मानित किया जाएगा। ये पुरस्कार वर्ष 2019 से 2023 तक के लिए दिये जा रहे हैं। इसके साथ ही पुरस्कृत कहानियों का आकृति प्रकाशन द्वारा प्रकाशित संग्रह 'नए रंग' भी लोकार्पित होगा। 'मित्र निधि' की ओर से प्राप्त जानकारी के अनुसार सम्मान समारोह गांधी शांति प्रतिष्ठान, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर शाम शाम 5.15 बजे आयोजित किया जाएगा। आयोजन में वरिष्ठ रंगकर्मी देवेंद्र राज अंकुर, वरिष्ठ कथाकार प्रतीप पंत एवं महेश कटारे, वरिष्ठ कवि केवल गोस्वामी और चर्चित फिल्मकार अनवर जमाल का सान्निध्य रहेगा।

आतंकी 'कसाब' ने आईटीबीपी आई जी की बेटी को मारी थी गोली, पिता ने उसकी सुरक्षा में नहीं होने दी चूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
महाराष्ट। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को समुद्र के रास्ते से आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों के हमले में 166 लोग मारे गए थे। इस दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए 18 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए

थे।मुंबई में 26/11 के हमले को अब 16 साल हो गए हैं। पाकिस्तान के आतंकी संगठन, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकियों ने मुंबई हमले को अंजाम दिया था। उस हमले में सुरक्षा कर्मियों सहित 166 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 300 लोग घायल हो गए थे। वे हमले मुंबई में अलग-अलग जगहों पर हुए थे। प्रमुख जगहों में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, ओबरॉय ट्राइडेंट, ताज होटल और नरीमन हाउस शामिल हैं। इस हमले में आईटीबीपी के पूर्व आईजी (तत्कालीन डीआईजी) रहे एमएस भुर्जी की बेटी जैसमीन को भी कसाब एवं उसके साथियों ने गोली मार दी थी। खास बात है कि बेटी के मारे जाने के बाद जब कसाब को जेल में रखा गया तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी आईटीबीपी के तत्कालीन आईजी (ऑपरेशन) एमएस भुर्जी को सौंपी गई थी। आतंकी 'कसाब' को फांसी होने तक एमएस भुर्जी ने उसकी सुरक्षा में कोई चूक नहीं होने दी। जब कसाब को फांसी पर लटकाया गया तो एमएस भुर्जी का कहना था, निर्दोष लोगों को मारने वाले कसाब की फांसी से वे देश सबक लेंगे, जो तोड़फोड़ की मंशा रखते हैं। आईटीबीपी अधिकारी रहे भुर्जी के लिए 26 नवंबर 2008 का हमला, कभी न भूलने वाला रहेगा। उन्होंने अपनी जिस लाडली को गोद में खिलाया, अंगुली पकड़ कर उसे चलना सिखाया। इसके बाद वह दिन भी आया, जब वह पिता अपनी बेटी के हाथ पीले करने की तैयारी करने लगे। उसे नहीं मालूम था कि उसकी बेटी, मुंबई के आतंकी कसाब की गोली का निशाना बन जाएगी। उस हमले में कसाब गिरफ्तार कर लिया गया था। मुंबई की जिस जेल में कसाब को रखा गया, उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी, आईटीबीपी को सौंपी गई। आईटीबीपी में आईजी रहे पिता के सामने, ड्यूटी व जज्बात, इनमें से किसी एक राह पर चलने की चुनौती थी। बेटी जैसमीन को खो चुके पिता ने जज्बात पर काबू पा अपनी ड्यूटी को तव्वजो दी। बता दें कि मुंबई हमले के आरोपी 'कसाब' की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'आईटीबीपी' को सौंपी गई थी। उस वक्त आईटीबीपी के तत्कालीन आईजी (ऑपरेशन) एमएस भुर्जी थे। जेल में कसाब की सुरक्षा की जिम्मेदारी, भुर्जी के कंधों पर ही थी। अपनी बिटिया के हत्यारे को फांसी के फंदे पर लटकने तक उन्होंने कसाब की सुरक्षा करने में कोई चूक नहीं होने दी। भुर्जी, 2017 में आईटीबीपी से रिटायर हुए थे। मुंबई के 26/11 के हमले के दौरान होटल ओबरॉय ट्रायडेंट में आतंकवादियों की पहली गोली रिसेप्शन पर मौजूद जैसमीन को लगी थी। कसाब की फांसी के बाद उस पिता के दिल को थोड़ा सुकून मिला, जिसने उसकी लाडली जैसमीन को छीन लिया था। कई वर्ष पहले हुई बातचीत में एमएस भुर्जी का कहना था कि घाव अभी नहीं भरे। थोड़ा सुकून इसलिए है कि निर्दोष लोगों को मारने वाले कसाब की फांसी से वे देश सबक लेंगे, जो तोड़फोड़ की मंशा रखते हैं। उन्होंने बताया था, होटल प्रबंधन की पढ़ाई करने के बाद जैसमीन, ताज मुंबई में ट्रेनिंग के लिए गई थी। हमें ही नहीं, बल्कि परिवार और रिश्तेदारों को भी वह खूब हंसाती थी। बेशक वह फोन पर बात करती, मगर ऐसा लगता था कि जैसे सामने बैठकर बोल रही है। ड्यूटी के दौरान भी उसका यह अंदाज नहीं बदला। मोहाली में अंतिम संस्कार के वक्त होटल प्रबंधन से आए अधिकारियों ने जब परिवार के साथ उसकी यादें सांझा की तो कोई अपने आंसू नहीं रोक पाया था। एमएस भुर्जी ने कहा, इस तरह के मामलों का निपटारा होने में दशक लग जाते हैं। कसाब के मामले में कानून की चुस्ती-फुर्ती काबिल-ए-तारीफ है। यह फैसला एक उदाहरण बनना चाहिए। हम बदले की भावना से काम नहीं करते। खासतौर से आतंकियों का समर्थन करने वाले देश अब यह सोचें कि भारत इस तरह का निर्णय भी ले सकता है।

कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। संविधान दिवस के

अवसर पर जिला व केंद्रीय कारागार से कुल 46 बंदी रिहा हुए। आज दिनांक 26.11.2024 को संविधान दिवस के अवसर पर जनपद न्यायालय, प्रयागराज मे माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री संतोष राय द्वारा समस्त अधिकारीगण व कर्मचारीगण को संविधान की प्रस्तावना का संकल्प दिलाया गई एवं माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय के निर्देशानुसार आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज व राजकीय संप्रेक्षण ग्रह, खुल्दाबाद में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावना का संकल्प दिलाते हुए सबको संविधान की विशेषता के बारे में बताया।संविधान दिवस के अवसर पर श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अथक प्रयासों से जिला कारगर से 40 बंदी व केंद्रीय कारगर से 6, कुल 46 बंदी रिहा किए गए है।साथ ही दिनांक 14.12. 2024 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु बैठक का आयोजन किया गया जिसमें माननीय जनपद न्यायाधीश द्वारा समस्त अधिकारीगण को अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु दिशा निर्देश प्रदान किए गए तथा दिनांक 11 दिसंबर से 13 दिसंबर तक आयोजित पेटी ऑफेंस की विशेष लोक अदालत में अधिकाधिक वादों के निस्तारण हेतु बल दिया।यह जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश कुमार गौतम द्वारा प्रदान की गई।

खनन माफिया हाजी इकबाल के बेटों को नहीं मिली जमानत, हाईकोर्ट ने खारिज की अर्जी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। यह आदेश न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की अदालत ने जावेद और अलीशान की जमानत अर्जी पर दिया। सहारनपुर के थाना मिर्जापुर में जावेद और अलीशान पर एफआईआर दर्ज है। आरोप है कि ये लोग आरोपी पिता हाजी इकबाल के साथ मिलकर एक गिरोह चलाते हैं। इसमें पांच अन्य लोग भी शामिल हैं।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ के कथित खनन माफिया हाजी इकबाल के दो बेटों को गैंगस्टर मामले में जमानत देने से इन्कार कर दिया। न्यायालय ने पाया कि आरोपी पिता पहले ही देश छोड़कर फरार है और दुबई में रह रहा है। ऐसे में बेटों को जमानत दी गई तो यह भी विदेश भाग सकते हैं।यह आदेश न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की

अदालत ने जावेद और अलीशान की जमानत अर्जी पर दिया। सहारनपुर के थाना मिर्जापुर में जावेद और अलीशान पर एफआईआर दर्ज है। आरोप है कि ये लोग आरोपी पिता हाजी इकबाल के साथ मिलकर एक गिरोह चलाते हैं। इसमें पांच अन्य लोग भी शामिल हैं।गिरोह के लोग जबरन वसूली, जान से मारने की धमकी देने आदि में संलिप्त हैं। लकड़ी की तस्करी, अवैध खनन और सार्वजनिक भूमि पर कब्जे के अवैध कार्य में भी शामिल हैं। पुलिस ने इनपर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। आरोपियों ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की है।आवेदक के सीनियर अधिवक्ता मनीष तिवारी ने दलील दी कि दर्ज एफआईआर में गैंगस्टर अधिनियम के प्रावधानों का दुरुपयोग है, क्योंकि आवेदक को गैंग चार्ट में उल्लिखित दो मामलों के आधार पर ही इस मामले में फंसाया गया है।

महाकुम्भ-2025 प्रयागराज के निर्विघ्न एवं सकुशल सम्पादन के दृष्टिगत श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक श्रीमती पद्मजा चौहान, उत्तर प्रदेश, अग्निशमन तथा आपात सेवा, द्वारा मुख्यालय अग्निशमन तथा आपात सेवा महाकुम्भ मेला प्रयागराज का औचक निरीक्षण किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज।निरीक्षण के दौरान

महोदया द्वारा मेला में आग से बचाव हेतु प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों/वाहनों (स्मोक एग्जास्टर, हैण्ड कंट्रोल ब्राँच, रिवाल्विंग ब्रांच डिवाइडिंग हेड, कलेक्टिंग हेड,बोल्ट कटर,इलेक्ट्रिक कटर गलप्स,ब्लैंकेट,बैटरी ऑपरेटेड हैड्रोलिक कटर ,हरनेश,सर्चलाइट,सर्च लाइट विथ दी,स,यू, फायर रेटारडेन्ट स्प्रे ,फायर हुक,ट्रॉली माउंटेड हाई प्रेशर पोर्टेबल एक्सटिंग्युसर) का निरीक्षण किया गया एवं एलीफेंट पार्किंग में फायर फाइटिंग रोबोट,ए0टी0वी0,फायर बुलेट, टेण्डर,एफ0क्यू0आर0वी0,आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर का ग्रैंड रिहर्शल कराकर कर चेक किया गया। मुख्यालय अग्निशमन तथा आपात सेवा महाकुम्भ मेला प्रयागराज के कार्यालय, बैरक, स्टोर आदि का स्थलीय निरीक्षण किया गया। मेस में बनने वाले भोजन की गुणवत्ता को भी चेक किया गया। निरीक्षण के उपरांत महोदया द्वारा मुख्यालय/कोतवाली अग्निशमन केंद्र के सभागार कक्ष में महाकुम्भ मेला ड्यूटी हेतु उपस्थित समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों की बैठक की गई जिसमें महोदया द्वारा समस्त एस्टेब्लिशमेंट टीम में कर्मचारियों को मेला क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर जिसमें टेंट एवं उसमें लगने वाले विद्युत वायर कनेक्शन की वायरिंग को प्रॉपर कनेक्शन के साथ कनड्यूट के कराई जाय व पंडालो को मनको के अनुसार अधिष्टतापित किये जाने व फायर प्रीवेंशन पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया गया।उक्त गोष्ठी में श्रीमती पद्मजा चौहान अपर पुलिस महानिदेशक अग्निशमन तथा आपात सेवा ,श्री प्रमोद शर्मा नोडल अधिकारी महाकुंभ मेला, श्री रविंद्र शंकर मिश्रा , श्री अनुराग सिंह मुख्य अग्निशम अधिकारी महाकुंभ मेला, श्री अनुराग कुमार, श्री सौरभ कुमार सिंह मुख्य अग्निशमन अधिकारी जोन , श्री संजीव कुमार सिंह अग्निशमन अधिकारी कोतवाली, श्री आशीष वर्मा अग्निशमन द्वितीय अधिकारी कोतवाली एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय का समाज के हर क्षेत्र में योगदान, गौरवशाली परंपरा पुन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 136वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने जाने माने कवि कुमार विश्वास को विवि की ओर से मानद उपाधि प्रदान की। साथ ही विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावियों को भी उपाधियां दी। सीएम ने कहा कि इलाहाबाद विवि की एक गौरवशाली परंपरा रही है। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की एक गौरवशाली परंपरा रही है। न्याय पालिका में सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला न्यायालय तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय से निकले छात्र सेवा दे रहे हैं। सार्वजनिक जीवन से लेकर विज्ञान, राजनीति, साहित्य. कला, शिक्षा हर क्षेत्र में यहां के छात्र आज देश का नाम रोशन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय अपना पुरातन गौरव को प्राप्त करने के लिए जिस तरह से आगे बढ़ रहा है इससे वह दिन दूर नहीं जब वह अपने इस लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेगा। सीएम योगी बुधवार को इलाहबाद विवि के 136 वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जाने माने कवि कुमार विश्वास को मानद उपाधि प्रदान की। साथ ही अन्य मेधावियों को भी उपाधि दी। सीएम योगी ने कहा कि हमें समय के साथ चलने की जरूरत है। जो समय के साथ नहीं चलता है समय उसको समाप्त कर देता है। इसलिए विवि को चाहिए को वह अपने छात्रों को समय की गति से दस कम आगे चलने के लिए तैयार करना चाहिए ताकि छात्र समय की चुनौतियों का सामना करते हुए देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर सकें। कहा कि इलाहाबाद की यह खासियत है कि यहां जो जिस भाव से आता है वह वैसा ही बन जाता है। कहा कि इलाहाबाद विवि अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है। जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसमें इलाहाबाद विवि ने इस देश को कुछ न दिया है। सीएम योगी ने कहा कि समय के साथ चलेंगे तो समाज, देश और दुनिया हम सबका अनुसरण करेगी नहीं तो हम पिछलग्गू बनकर ही रह जाएंगे। यह व्यक्ति पर निर्भर है कि समय के साथ चलना है या अपने को पिछड़ा घोषित करना कर पिछलग्गू बनकर रहना है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

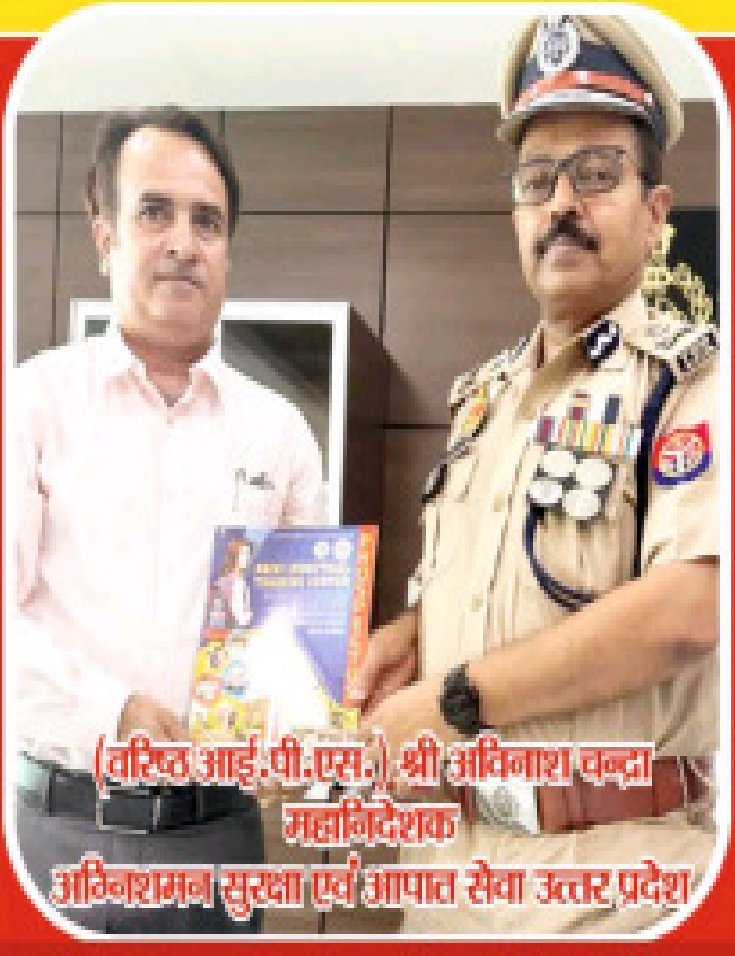

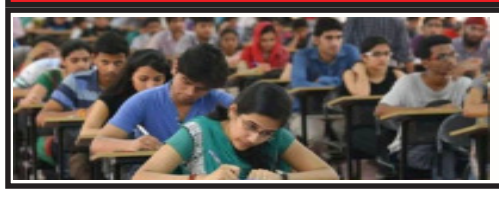

प्रदेश आस/पास

भारत

वाराणसी, रायबरेली

संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश रायबरेली राज कुमार सिंह के

दिशा-निर्देशन में महात्मा गांधी इण्टर कालेज, रायबरेली में संविधान दिवस के अवसर पर विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के द्वारा बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक रामबाबू द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं संविधान दिवस के अवसर पर संविधान विषयक जानकारी प्रदान की गयी और बताया गया कि भारतीय संविधान के निर्माण में 2 साल 11 माह 18 दिन का समय लगा। उक्त अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के परावैधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को मौलिक अधिकार के साथ-साथ मौलिक कर्तव्य के संबंध में जानकारी प्रदान की गयी। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य ले0 दिनेश कुमार द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला गया एवं बताया गया कि कई विचार-विमर्श और संशोधनों के बाद, अंतिम रूप से 26 नंवबर 1949 को संविधान सभा ने पारित किया । कार्यक्रम के अंत में मा0 अनुपम शौर्य, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा बताया गया कि पहले 26 नंवबर को विधि दिवस के रूप में मनाया जाता था। वर्ष 2015 से संविधान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। भारत का संविधान बनाने में बाबा साहेब को सभी धर्म, समाज व समुदाय को साथ लेकर चलने की चुनौती थी, जिस कारण बाबा साहेब को गठित समिति से कई बार विचार-विमर्श व संशोधनों के बाद संविधान सभा द्वारा पारित हुआ। भारतीय संविधान को तैयार करने वाली प्रारूप समिति की स्थापना 29 अगस्त 1947 को हुई थी, जिसमें सदस्य के रूप में डॉ0 भीमराव अंबेडकर, अल्लादी वृष्णास्वामी अय्यर, एन0 गोपालस्वामी, के0एम0 मुंशी, मोहम्मद सादुल्ला, बी0एल0 मित्तर व डी0पी0 खेतान रहे। संविधान पारित करने में बाबा साहेब का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिस कारण बाबा साहेब को भारत के संविधान का जनक भी कहा जाता है। उक्त कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य अतुल द्विवेदी, अध्यापक शत्रोहन सिंह परिहार व परावैधिक स्वयं सेवक पूनम सिंह, मनोज कुमार प्रजापति एवं विद्यालय के अध्यापकगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक डॉ0 प्रदीप कुमार त्रिपाठी के द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त लीगल एड क्लीनिक कुण्डौली के द्वारा आश्रम पद्धति आवासीय शेषपुर समोधा, तहसील लालगंज व तहसील ऊँचाहार में भी संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'नन्हें वैज्ञानिकों' ने दिखाया हुनर, हेलमेट से चलती बाइक का मॉडल रहा श्रेष्ठ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज के सभागार में किया गया। ब्लॉकों से जीतकर आए 'नन्हें वैज्ञानिकों' का हुनर देखते ही बन रहा था। 'नन्हें कलॉमों' की खोज का हुनर कुछ इस तरह से था कि मॉडल देखकर हर कोई तारीफ कर रहा था। जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में नन्हे वैज्ञानिकों ने दी प्रस्तुती सभी के आकर्षण का केंद्र रही। जीआईसी परिसर में आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों पर आधारित आकर्षक मॉडल सजाए। पांच विजेताओं को राज्य स्तर के लिए चुना गया। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुष्टि अवस्थी और राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रत्नेश श्रीवास्तव ने किया। प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के बाद उन्होंने सभी ब्लॉकों से आए बच्चों के मॉडल का अवलोकन किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे बीईओ रोहिनया डॉ. सत्य प्रकाश यादव व बृजलाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जीतने के बाद अब सीधे ही बच्चे राज्य स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।ये बच्चे राज्य स्तर पर करेंगे प्रतिभाग जिला समन्वयक प्रशिक्षण दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी की क्विज प्रतियोगिता में रोहिनया ब्लॉक के इटौरा बुजुर्ग राधिका द्विवेदी प्रथम, ऊंचाहार के जमुनापुर की अंजलि दूसरे, खीरों ब्लॉक के शिवपुरी की शिफा बानो तीसरे, शिवगढ़ ब्लॉक के बाकागढ़ के राज चौथे और राही ब्लॉक के बकवारा के शोभित पांचवे स्थान पर रहे। मॉडल प्रतियोगिता में हरचंदपुर ब्लॉक के गोपालगंज की अंशु, अमावां ब्लॉक के कोड़रस बुजुर्ग के आदित्य दूसरे, रोहिनया ब्लॉक के ऐहारी बुजुर्ग की दिव्यांशी, सलोन ब्लॉक के तिवारीपुर के शिवा चौथे और छतोह ब्लॉक के चतुरपुर ब्लॉक की दिव्या पांचवें स्थान पर रही। नन्हें वैज्ञानिकों' ने बताएं अनमोल तरीके 'नन्हें वैज्ञानिकों' की प्रतियोगिता में बच्चों का हुनर खूब बोला।

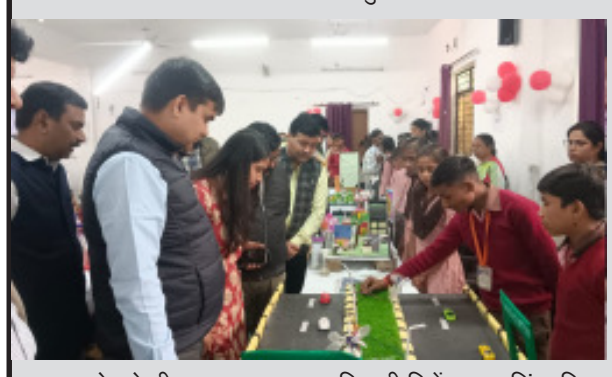

जिलाधिकारी ने भारतीय संविधान की उद्देशिका का कराया पाठन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। कलैक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठन कराया। जिलाधिकारी ने भारतीय संविधान

की उद्देशिका को पढ़ा, जिस पर सभागार में उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों ने भी उद्देशिका को दोहराया। उन्होंने कहा कि "हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढाने के लिये दृढसंकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर,1949 ई0 (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते है।" संविधान दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी सभी ने देखा गया। जनपद के समस्तकार्यालयों, स्वायत्तशासी निकायों/संगठनों, स्थानीय निकायों एवं शैक्षणिक संस्थानों में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिनमें संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान के संवैधानिक मूल्यों एवं मूलभूत सिद्धान्तों पर आधारित गोष्ठी आदि का भी आयोजन सम्बंधित विभागों द्वारा किया गया। सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अमृता सिंह, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार,मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चन्द्रा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आरेडिका में संविधान दिवस पर किया उद्देशिका का पाठ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर

आरेडिका में संविधान दिवस मनाया गया । आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा उच्च अधिकारियों के साथ संविधान की "उद्देशिका" का पाठ किया गया तथा आरेडिका के सभी विभागों के कर्मचारियों ने अपने विभाग से संबंधित उपविभागाध्यक्षों के ने नेतृत्व में अपने कार्यस्थल पर ही संविधान की "उद्देशिका" का पाठ किया। ज्ञात हो कि आज के दिन 26 नवम्बर 1949 को भारत के संविधान को संविधान सभा द्वारा अधिनियमित एवं आत्मार्पित किया गया था और इसके कुछ उपबंधों को तत्काल प्रभाव से इसी दिन से लागू कर दिया गया तथा 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान पूर्ण रूप से लागू हुआ।सभी प्रधान विभागाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों ने संविधान की "उद्देशिका" का पाठ किया।

कई वर्षों से विद्युत पोल संबंधित समस्या को लेकर ग्राम सेवा समिति ने एस डी ओ को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

ओबरा। बिल्ली मारकुण्डी स्थित खैरटिया टोला में स्थित पोखरा के उत्तर दिशा में बसी बस्ती में पिछले 5-6 वर्षों से लगातार लिखित/मौखिक रूप से अवगत कराये जाने के

बावजूद आजतक बिजली के पोल नहीं लगाये जा रहे है, जबकि वहां के रहवासियों को मेन रोड से करीब 400 मीटर दूरी से केबिल खीच कर कनेक्शन लिया जा रहा है, जिसके कारण गर्मियों में केबिल जलने की घटनाएं आम बात हो गयी है और हमेशा दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है। पूर्व में विभाग के जेई श्री अरविन्द मौर्या द्वारा उक्त क्षेत्र का सर्वे किया गया था और बताया गया कि एक माह के भीतर विभाग द्वारा पोल लगवा दिया जायेगा, जिससे केबिल जलने की समस्या से निजात मिल जायेगा। परन्तु बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आज तक उक्त समस्या के सम्बन्ध में कोई कार्यवाही नहीं की गयी ।उक्त के सन्दर्भ में यह भी अवगत कराना है कि उक्त पोल लगाने के सम्बन्ध में ग्राम सेवा समिति के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन भी पूर्व में किया जा चुका है परन्तु विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। इस बार जल्द ही पोल नहीं लगने की स्थिति में ग्राम सेवा समिति द्वारा धरना प्रदर्शन किया जायेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी पीसीएल विभाग की होगी। शिवदत्त दुबे ग्राम सेवा समिति अध्यक्ष एवं महेश अग्रहरी के साथ राजू जायसवाल और अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सोनभद्र, मिर्जापुर, विंध्याचल

थाना चोपन पुलिस ने वांछित एक नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण एवं कुशल नेतृत्व में महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध/अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना चोपन पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 261/2024 धारा 137(2), 87, 352, 351(3) बी.एन.एस. से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रामलल्लू यादव पुत्र श्याम लाल यादव निवासी ग्राम कनहरा मझौली, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र को दिनांक 26.11.2023 को बसकटवा मोड ग्राम पटवध चोपन सोनभद्र से समय करीब 22.10 बजे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण** - 1.रामलल्लू यादव पुत्र श्याम लाल यादव निवासी ग्राम कनहरा मझौली थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम**- 1.विजय कुमार चौरसिया, प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन सोनभद्र। 2.वरि0उ0नि0 ओमप्रकाश नारायण सिंह थाना चोपन सोनभद्र। 3.का0 सुभाष चन्द्र भारती, थाना चोपन, सोनभद्र।

थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस ने दुष्कर्म से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित चल रहे 02 अभियुक्तों किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण एवं कुशल नेतृत्व में महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध/अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-775/2024 धारा 406, 342, 376डी, 506 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्तगण सोनू पुत्र योगेन्द्र वर्मा निवासी ग्राम पठेरवा, थाना पठेरवा खास, जनपद कुशीनगर 2. रामसरण पुत्र राजेन्द्र प्रजापति निवासी दिघावत, थाना औराई, जनपद भदोही को आज दिनांक 27.11.2024 को मुखबिर की सूचना पर धर्मशाला चौराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। **गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरणः**- 1.सोनू पुत्र योगेन्द्र वर्मा निवासी ग्राम पठेरवा, थाना पठेरवा खास, जनपद कुशीनगर उम्र लगभग 26 वर्ष। 2.रामसरण पुत्र राजेन्द्र प्रजापति निवासी दिघावत, थाना औराई, जनपद भदोही उम्र लगभग 24 वर्ष। **गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीमः**- 1.निरीक्षक अपराध शेषनाथ पाल थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। 2.आरक्षी अजीत यादव थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 3.आरक्षी संतोष कुमार थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।

नो कॉस्ट – लो कास्ट, की तर्ज पर बनाए जाएंगे प्लास्टिक फ्री पंचायत–नमिता शरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। जनपद में ग्राम पंचायत को प्लास्टिक फ्री पंचायत किए जाने की के लिए 62 ग्राम पंचायत का चयन सभी विकास खण्डों से किया गया है। आज दूसरे दिन विकास खंड चोपन, म्योरपुर, बभनी एवं दुद्धी के ग्राम पंचायतों के प्रधान, सचिव, पंचायत सहायक, सफाई कर्मी का प्रशिक्षण डीपीआरसी में जिला पंचायत अधिकारी नामित शरण ने दिया। प्रशिक्षण में बताया कि नो कॉस्ट लो कास्ट के तर्ज पर प्लास्टिक फ्री पंचायत अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में किसी भी तरह की कोई धनराशि का व्यय नहीं होगा तथा हमारे ग्राम पंचायत प्लास्टिक फ्री हो जाएगी। उन्होंने सभी ग्राम प्रधान पंचायत सहायक एवं सफाई कर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि हम अल सुबह गांव के लोगों को बैठक कर उनको प्लास्टिक के बारे में जागरूक करेंगे तथा कर्मचारी एवं गांव के लोगों को साथ मिलकर उस गांव से प्लास्टिक को बिन कर इकट्ठा कर लेंगे। तत्पश्चात उन्हीं के घरों से बोरी मांग कर घर के महिला से पूछ कर एक व्यवस्थित जगह पर बोरी टांगेगे। घर के बच्चों और लोगों से प्रयोग होने वाले प्लास्टिक को उसी में रखने की अपील करेंगे। ई रिक्शा के माध्यम से प्रतिदिन बोरियों में से प्लास्टिक इकट्ठा करेंगे। इकट्ठा प्लास्टिक ग्राम पंचायत में निर्मित आरआरसी सेंटर का प्रयोग हम कूड़े को रखने के लिए करेंगे एवं ग्राम पंचायत द्वारा क्रय किए गए ई-रिक्शा के द्वारा हम प्लास्टिक का संकलन घर-घर से करेंगे। इस प्रकार प्लास्टिक फ्री बनाने में हमें किसी अन्य मद की कोई आवश्यकता नहीं होगी। यह कार्यक्रम जन भागीदारी का कार्यक्रम होगा। बैठक में सहायक विकास अधिकारी पंचायत आशुतोष श्रीवास्तव, अजय सिंह, सतीश सिंह, डीसी किरन सिंह, अनूप पाल और अनिल केशरी उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग की लाइसेंस की 22 सेवाएं फेसलेस हुई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। परिवहन विभाग की 22 सेवाएं मंगलवार से फेसलेस कर दी गई है। अब इन सुविधाओं के लिए आवेदक को एआरटीओ कार्यालय के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह सभी सेवाएं सारथी पोर्टल की हैं। जल्द ही कई और सुविधाएं ऑनलाइन मिलने लगेगी। एआरटीओ प्रशासन धनवीर यादव ने बताया कि मंगलवार से सारथी पोर्टल की 22 सुविधाएं ऑनलाइन हो गई है। उन्होंने बताया कि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व परिवहन आयुक्त चंद्र भूषण सिंह के पहल व प्रयास से अधिक से अधिक सेवाएं लोगों को घर बैठे ही मिल जाए, इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में परिवहन विभाग की सारथी पोर्टल की 22 सेवाओं को फेसलेस कर चुका है। इन सेवाओं को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से कांटैक्ट लेस तरीके से करने का विकल्प दिया जा रहा है। इसके लिए आवेदक को परिवहन विभाग के वाहन निरीक्षक (एमवीआई) आलोक यादव ने बताया कि इस्यू ऑफ लर्नर लाइसेंस, लाइसेंस में कोई भी परिवर्तन, इस्यू ऑफ डुप्लीकेट ड्राइविंग लाइसेंस, हेजाडर्स मैटेरियल, डीएल का रिनीव्यूल, बायोमेट्रिक में परिवर्तन, लर्निंग लाइसेंस का डुप्लीकेट, पता परिवर्तन, विभिन्न दस्तावेजों में मोबाईल नंबर अपडेट, इंटरनेशल ड्राइविंग लाइसेंस परमिट, कंडक्टर (सीएल) लाइसेंस, डीएल/सीएल में नाम परिवर्तन समेत कई सेवाएं फेसलेस की जा चुकी है फेसलेस सुविधा से समय और धन की होगी बचत- विधायक भूपेश चौबे सोनभद्र। सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा राज्य में लोगों के जीवन को हर हाल में आसान बनाने का काम सतत रूप से किया जा रहा है। इस कड़ी में राज्य सरकार द्वारा परिवहन विभाग की सेवाओं को जन सामान्य के लिए पहले से ज्यादा सुगम बनाया जा रहा है। सरकार की यह सोच है कि जन सुविधाएं जितनी सुगमता से लोगों तक पहुंचेंगी उनका जीवन उतना ही आसान होगा और विकास की गति तेज होगी। समय के अनुरूप लोगों तक शासन की सेवाएं पहुंचाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा हैं। फेसलेस सुविधाएं होने पर अब दूर दराज से आकर परिवहन विभाग का चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। साथ ही समय और धन दोनों की बचत होगी।उन्होंने इस सुविधा के लिए परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह और परिवहन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि जनपद की जनपद की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर विभाग की यह पहल काफी सराहनीय है। जिससे जनता को काफी लाभ मिलेगा।

ज्ञान गंगा प्रा. आई.टी.आई. के सभागार में पंचम कौशल दीक्षान्त समारोह का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। नगर स्थित ज्ञान गंगा प्रा. आई.टी.आई. के सभागार में पंचम कौशल दीक्षान्त समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो0 प्रदीप कुमार मिश्र, विभागाध्यक्ष (केमिकल इन्जी, आई. आई.टी बी एच यू. वाराणसी) के साथ विशिष्ट अतिथि डॉ. डी. के त्रिपाठी एसोसिएट प्रोफेसर (राजकीय इन्जिनियरिंग कॉलेज चुर्क सोनभद्र) तथा एम एल गुप्ता (पूर्व सयुंक्त निदेशक प्रशिक्ष / शिशिक्षु) की गरिमामय उपस्थिति रही। एस0पी0 सैनिक स्कूल राबर्ट्सगंज द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को पंचशील का सिद्धान्त बताते हुये मान सिंह दृढ़ता सरलता और कार्य के प्रति उर्जावान बनने के लिए प्रेरित किये और उनके द्वारा छात्रों को दीक्षोपदेश दिया गया।विशिष्ट अतिथि डा.डी. के त्रिपाठी ने आई. टी.आई. के विषय में बताया कि आज हर तरफ स्किल की आवश्यकता पड़ रही है और यही क्षेत्र है जिसमें जॉब की गारंटी है। इ. एम.एल गुप्ता ने कार्य के प्रति लगन के लिए प्रोत्साहित किया साथ ही कार्य के महत्व के बारें में बताया। सस्थान के प्रधानाचार्य इ. अभिषेक यादव ने संस्थान की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणथियों के विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में प्लेसमेंट कराने के लिए लगातार प्रयास करने की बात कही। संस्थान के प्रबंधक इंजी कमलदेव चौधरी ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किये और संस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों के बारे में अवगत कराये। अंत में संस्थान प्रमुख धर्मावती द्वारा आभार व्यक्त किया

ग्राहकों के लिए टाऊन हाल मीटिंग का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय सप्तम् के द्वारा अपने सम्मानित ग्राहकों के लिए टाऊन हाल मीटिंग का आयोजन होटल देव अर्जुन, राबर्ट्सगंज में किया गया। इस कार्यालय में सम्मिलित सभी ग्राहकों को डिजिटल अरेस्ट से बचाव एवं इससे जुड़ी सावधानियों की जानकारी बैंक द्वारा साझा की गई। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक की ओर से क्षेत्रीय प्रबन्धक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य प्रबन्धक (परिचालन) विनोद प्रसाद, मुख्य प्रबन्धक (राबर्ट्सगंज शाखा) सौरभ श्रीवास्तव, उप प्रबन्धक (ऋण विभाग) श्री शरद प्रभात श्रीवास्तव, विनय यादव, यादवेन्द्र मणि त्रिपाठी, रिक्की राज एवं प्रमोद कुमार उपस्थित रहें। उक्त कार्यक्रम की सभी सम्मिलित ग्राहकों के द्वारा सहारना की गई।

5 साल बाद मिला छात्रा को मिला न्याय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। मार्कशीट में नाम सुधार को लेकर विगत 5वर्षों से प्रयासरत छात्रा को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है.इलाहबाद हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कहा है कि ठउपरोक्त तथ्यों के मद्देनजर रिट याचिका को इस निर्देश के साथ निस्तारित किया जाता है कि सीबीएसई (रिजनल ऑफिस)प्रयागराज, इस आदेश की प्रमाणित प्रति लिपि प्राप्त करने के तीन माह के भीतर याचिकाकर्ता के दावे पर विचार करें और निर्णय दें प्राप्त विवरण के अनुसार, याचिकाकर्ता सुमति यादव पुत्री राजू यादव, वार्ड नंबर 7, आर्यनगर,राबर्ट्सगंज, सोनभद्र ने नन्हकूराम पब्लिक स्कूल परदी खुर्द, मुड़ीलाडीह, घोरावल,सोनभद्र से ,वर्ष 2019 में, सीबीएसई बोर्ड से दसवीं कक्षा पास की. मार्कशीट मिलने पर पता चला कि उसका पूरा नाम मार्कशीट पर अंकित नहीं है और उसके पिता का नाम भी गलत है.मार्कशीट में नाम सुधरवाने के लिए 5 साल दौड़धूप करने पर भी सफलता नहीं मिली, तो छात्रा ने मा.इलाहाबाद हाईकोर्ट की शरण ली. उसकी रिट याचिका संख्या 36541आफ 2024 की सुनवाई गत 22 नवम्बर को न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव की कोर्ट में हुई.याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट साकेत पांडेय, यूनियन ऑफ इंडिया की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल और सीबीएसई बोर्ड की तरफ से अधिवक्ता हृदय नारायण पाण्डेय ने बहस में भाग लिया.।

भाजपाइयों ने मनाया संविधान दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष नंदलाल की अध्यक्षता में संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम को भारत माता व संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और संविधान की प्रस्तावना के चित्र पर पुष्प अर्पित करके मनाया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नंदलाल ने कहा कि डॉक्टर भीम राव अंबेडकर जी का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के मऊ में हुआ था,इनका प्रारंभिक शिक्षा मुंबई में हुआ स्कूली शिक्षा के दौरान अस्पृश्यता (छुआ छूत)के अभिशाप से पीड़ित हुए,स्नातक तक की शिक्षा मुंबई में पूर्ण करके,उच्च शिक्षा हेतु कोलंबिया विश्वविद्यालय चले गए।उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद बाबा साहब भारत वापस लौट आए और उन्हें बड़ौदा के महाराजा ने अपना सैन्य सचिव नियुक्त किया जिससे उन्हें आने वाले समय में वित्त मंत्री बनाया जा सके,लेकिन वहां भी छुआ छूत के कारण हो रहे दुर्व्यवहार के कारण सेवा छोड़ने को मजबूर हो गए,और लंदन से कानून और अर्थशास्त्र की पढ़ाई शुरू की,आजादी के बाद 1947 में देश के पहले कानून एवं न्याय मंत्री बने।आगे चलकर उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में अपनी अहम भूमिका प्रदान किया,आज उनके द्वारा बनाए गए संविधान के आधार पर ही आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री सर्व समाज के उत्थान के साथ राष्ट्र को प्रगति के पथ ले जा रहे है। आगे उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना है कि हम भारत के लोग भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्म निरपेक्ष,लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक न्याय विचार अभिव्यक्ति विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपने इस संविधान सभा आज तारीख 26 नवंबर 1949 ईस्वी को येतत् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित आत्म अर्पित करते है।

आमडीह में जन चौपाल लगाकर आप ने चलाया सदस्यता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। के प्रादेशिक सदस्यता अभियान के अन्तर्गत सोनभद्र जनपद में काशी प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी एवं जिला प्रभारी सूर्य नारायण सिंह की उपस्थिति एवं जिलाध्यक्ष रमेश गौतम के नेतृत्व में डमधुपुर के पास ग्राम आमडीह में बुधवार को जन चौपाल लगाकर सदस्यता अभियान चलाया गया। काशी प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी ने ग्राम हिनौता,आमडीह में ट्रैक्टर से और पद यात्रा करके सदस्यता अभियान चलाए।उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं में जारी है सदस्यता अभियान!पूरे प्रदेश में 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य।इस अवसर पर काशी प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी ने कहा बीजेपी का सबसे बड़ा चुनावी हथियार है ठडरठ। हर चुनाव में बीजेपी डर का बखूबी इस्तेमाल करती है!!झारखंड में घुसपैठियों का डर, उनके द्वारा आदिवासियों की रोटी, बेटी और माटी छीने जाने का डर बताया गया। पर झारखंडी डरे नहीं।महाराष्ट्र में बँटी हुई पार्टियों की सरकार का डर, यानि ठबंटने पर कटनेठ के रिस्क का डर दिखाया गया। लिहाज़ा महाराष्ट्र के कुछ लोग डर गए, और इतना डर काफ़ी था बीजेपी की जीत के लिए।अब दिल्ली में डर का प्रयोग करनेवाली है। दिल्ली के लिए बीजेपी कौन से नए डर का आविष्कार करेगी? जिला प्रभारी सूर्यनारायण सिंह ने कहा अमित शाह , 9मई 2014 को कहा था एक महीने राजनीति में टिक जाएंगे केजरीवाल तो डीवेट करेंगे। केजरीवाल जी 10 साल बाद भी राजनीति में हैं लेकिन आप तब भी छिप रहे थे, आज भी छिप रहे हो।ज्योति जंग सिंह काशी प्रांतसदस्य,नीरज पांडे काशी पूर्व प्रांत उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष त्यागी, डॉ राम आसरे,केवल कुशवाह,महिला जिलाध्यक्ष अंजनी कुशवाहा,गोविंद चौबे,राजेंद्र मौर्या संरक्षक, जसवन्त मौर्या संयुक्त जिला महासचिव,श्रवण कुमार, जितेंद्र कुशवाहा, बेबी सिंह, शमशाद,अनवर अली,राजू सोनकर, जाबाज खान, आदि शामिल रहे।

रामलीला मैदान में होगा विश्व प्रसिद्ध वृंदावन की रासलीला का मंचन 26 फरवरी से

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता व धर्म, को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बांके बिहारी सेवा समिति सोनभद्र नगर द्वारा वृंदावन की विश्व प्रसिद्ध रासलीला का मंचन नगर के श्री रामलीला मैदान में किया जाएगा जिसकी तैयारी को लेकर मंगलवार की देर शाम नगर के श्री बांके बिहारी मंदिर में बैठक की गई। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के संयोजक राम प्रसाद यादव ने बताया कि दिनांक 26 फरवरी 2025 से 6 मार्च 2025 तक प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से लेकर 10:30 बजे तक श्री कृष्ण की रासलीलाओं का मंचन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वृंदावन के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा किया जाएगा। जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव, बाललीला, माखन चोरी, पूतना वध, कंस का अत्याचार व लठमार होली सहित श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का मंचन कलाकारो द्वारा किया जाएगा। बैठक में आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा पदाधिकारीयो का भी सर्व समिति से चयन किया गया जिसमें सचिन गुप्ता को अध्यक्ष, महामंत्री धीरज जलान, कोषाध्यक्ष बचाऊ पांडे को बनाया गया। बैठक का सफल संचालन प्रमोद गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के संरक्षक जितेंद्र सिंह, पवन जैन, अशोक श्रीवास्तव, धर्मेश बाबू, मनोज सिंह, राकेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, विधु शेखर, सन्नू केसरी, हर्षवर्धन, बृजेश शुक्ला, अनिल पांडे सहित अन्य लोगों उपस्थितरहे।

स्पोर्ट्स

करोड़पति बनते ही विवादों में वैभव सूर्यवंशी, उम्र पर उठे सवाल, पिता बोले- किसी से नहीं डरते

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईपीएल नीलामी में 13 साल के वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। इस खिलाड़ी का बेस प्राइस 30 लाख रुपये था और वह अपने बेस प्राइस से लगभग चार गुना ज्यादा दाम पर बिके।वैभव सूर्यवंशी की उम्र उस दौरान 10 वर्ष थी, पिता संजीव ने उस दौरान ही ठान लिया था कि उन्हें अपने बेटे को क्रिकेटर बनाना है। इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी जमीन बेच दी, लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम था कि तीन वर्ष के अंदर ही उनका बेटा उनके सपने को पूरा कर देगा। आईपीएल की बोली में 13 वर्ष के वैभव को 1.10 करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स ने अपने साथ जोड़ लिया। आईपीएल के इतिहास में वैभव किसी भी टीम से जुड़ने वाले सबसे युवा क्रिकेट बन गए। हालांकि, इस युवा क्रिकेटर के करोड़पति बनते ही विवाद शुरू हो गया। उनकी उम्र को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हालांकि, वैभव के पिता ने आलोचना करने वालों को करारा जवाब दिया है और कहा है कि वह किसी से नहीं डरते और जो भी जानकारी दी गई है, वह सही है समस्तीपुर से 15 किलोमीटर दूर मोतीपुर गांव में खेती योग्य जमीन को बेचने वाले संजीव के पास बेटे को राजस्थान की ओर से लिए जाने के बाद कोई शब्द नहीं हैं। वह कहते हैं कि वैभव अब उनका बेटा नहीं बल्कि पूरे

बिहार का बेटा है। संजीव के मुताबिक उनके बेटे ने आठ वर्ष की उम्र में ही कठिन मेहनत की और जिले के अंडर-16 ट्रायल में सफलता हासिल की। वह बेटे को कोचिंग के लिए समस्तीपुर ले गए, लेकिन उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने अपनी जमीन बेच दी।संजीव बताते हैं कि हालात अभी तक नहीं सुधरे हैं। वैभव की उम्र संबंधी विवादों पर संजीव कहते हैं कि जब वह साढ़े आठ साल का था तो बीसीसीआई की ओर से उसकी हड्डियों का टेस्ट हुआ था। वह कहते हैं कि उन्हें इस बारे में किसी का डर नहीं है। हम आगे भी किसी टेस्ट तक जा सकते हैं। वैभव की उम्र को 15 साल का बताया जाता है। संजीव के मुताबिक राजस्थान ने वैभव को नागपुर में ट्रायल के लिए बुलाया था।आईपीएल नीलामी में 13 साल के वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। इस खिलाड़ी का बेस प्राइस 30 लाख रुपये था और वह अपने बेस प्राइस से लगभग चार गुना ज्यादा दाम पर बिके। वह आईपीएल नीलामी इतिहास में बिकने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। बिहार के वैभव ने सिर्फ 13 साल और 242 दिनों की उम्र में आईपीएल नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में इतिहास रच दिया था। अब उन्हें टीम भी मिल गई है। वैभव के लिए राजस्थान और दिल्ली कैपिटल्स के बीच लड़ाई थी। वैभव घरेलू सर्किट में काफी धमाल मचा चुके हैं। इस बाएं हाथ के बल्लेबाजी ने बहुत कम उम्र में ही अपने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है। जनवरी 2024 में बिहार के लिए प्रथम श्रेणी में डेब्यू करने के बाद, सूर्यवंशी ने सितंबर भारत ऊ19 बनाम ऑस्ट्रेलिया ऊ19 यूथ टेस्ट सीरीज के दौरान एक शानदार शतक के साथ सभी का ध्यान आकर्षित किया था। सूर्यवंशी आगामी अंडर-19 एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीमों के बीच दो मैचों की अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इसमें बिहार के लाल ने महज 58 गेंदों में शतक जड़ा था। अब वह इंग्लैंड के बल्लेबाज मोईन अली से महज सिर्फ एक स्थान पीछे हैं। उन्होंने 2005 में अंडर-19 में 56 गेंदों में शतक जड़ा था। इसी के साथ वैभव ने अंडर-19 टेस्ट में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बना लिया है। युवा खिलाड़ी ने अपनी दमदार पारी के दौरान 14 चौके और चार शतक लगाए। वह मात्र 62 गेंदों पर 104 रन बनाकर रन आउट हो गए।

हाइब्रिड मॉडल में खेली जाएगी चैंपियंस ट्रॉफी पीसीबी को मनाने की कोशिश में जुटा आईसीसी दिया ऑफर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एक सूत्र के हवाले से बताया कि पीसीबी को गतिरोध समाप्त करने के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश की गई है। उन्होंने कहा- पीसीबी ने कड़ा रुख अपनाया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं करना चाहता है अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है। हालांकि, अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की। बीसीसीआई) पहले ही भारतीय टीम को पाकिस्तान की यात्रा पर भेजने से इनकार कर चुका है। वहीं, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भी हाइब्रिड मॉडल के लिए इनकार कर चुका है। इस गतिरोध को खत्म करने के लिए आईसीसी तमाम कोशिशें कर रहा है। अब खबर आई है कि आईसीसी ने पीसीबी को हाइब्रिड मॉडल के लिए हामी भरने के लिए खास ऑफर दिया है। एक सूत्र के हवाले से बताया कि पीसीबी को गतिरोध समाप्त करने के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश की गई है। उन्होंने कहा- पीसीबी ने

पीटीआई को बताया कि मंगलवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफ़ी पर चल रहे गतिरोध को खत्म करने के लिए मंगलवार को वर्चुअल बैठक कर सकती है। उन्होंने कहा, संभावना है कि कल (मंगलवार) तक बोर्ड प्रतिनिधियों की वर्चुअल चर्चा के बाद चैम्पियंस ट्रॉफी के आयोजन और प्ररूप को लेकर चीजें काफी हद तक साफ हो जाएंगी। हालांकि, पीसीबी से जुड़े एक सूत्र ने शनिवार (23 नवंबर) को पीटीआई से कहा था कि उन्हें अब तक इस बैठक के लिए कोई जानकारी नहीं मिली है। सूत्र ने कहा- हमें आईसीसी से हमारे, बीसीसीआई और आईसीसी के बीच किसी भी बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। सूत्र ने आगे बताया कि अब तक पीसीबी को आईसीसी की तरफ से उस ईमेल का जवाब नहीं मिला है, जिसमें उन्होंने भारत से पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने के कारण पूछे थे।

यह सिर्फ जीत नहीं, जवाब है', पर्थ में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद सोशल मीडिया पर झूम उठे प्रशंसक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत की जीत के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। पूर्व क्रिकेटर्स से लेकर फैंस टीम इंडिया की सराहना कर रहे हैं। वीरेंद्र सहवाग ने तो कप्तान बुमराह, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सिराज और नीतीश की तस्वीर साझा की है। कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी से भारत ने सोमवार को पर्थ में

ऑस्ट्रेलिया को पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन 295 रन से हराकर इस देश में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। साथ ही पांच मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारत के 534 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया बुमराह (42 रन पर तीन विकेट) और मोहम्मद सिराज (51 रन पर तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के सामने 58.4 ओवर में 238 रन पर ढेर हो गया। बुमराह और सिराज ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष और मध्य क्रम को ध्वस्त किया जिसके बाद वाशिंगटन सुंदर (48 रन पर दो विकेट), नीतीश रेड्डी (21 रन पर दो विकेट) और हर्षित राणा (69 रन पर एक विकेट) ने निचले क्रम को समेटा। राणा और रेड्डी इस मैच में डेब्यू कर रहे थे। भारत की जीत के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। पूर्व क्रिकेटर्स से लेकर फैंस टीम इंडिया की सराहना कर रहे हैं। वीरेंद्र सहवाग ने तो कप्तान बुमराह, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सिराज और नीतीश की तस्वीर साझा की है। उन्होंने लिखा- ये सिर्फ एक जीत नहीं बल्कि एक जवाब है। जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों में जो डर पैदा किया है, उन्होंने शानदार नेतृत्व किया। सिराज से उन्हें अच्छा समर्थन मिला। यशस्वी जयसवाल ने नए मानक स्थापित किया है और वास्तव में यादगार पारी खेली और किंग कोहली अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गए। एक ऐसी जीत जो हम सभी को बहुत गौरवान्वित महसूस कराती है।'ध्यान देने वाली बात यह है कि टीम इंडिया में न तो रोहित शर्मा थे, न ही शुभमन गिल, न ही रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन और न ही मोहम्मद शमी थे। इसके बावजूद टीम इंडिया ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ने के बाद भारत ने अब पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ा है। इस टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में चार टेस्ट खेले थे और सभी जीते थे। पांचवें में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पहले मैच पर्थ के वाका स्टेडियम में खेले जाते थे। हालांकि, 2018 से ऑप्टस स्टेडियम में मैच खेले जाने लगे। पर्थ (वाका, 2008), एडिलेड (2008), गाबा (2021) और अब पर्थ (ऑप्टस)...भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुछ ऐतिहासिक मैच जीते हैं। खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया की तुलना में कम अनुभव वाली टीम इंडिया ने कंगारुओं को चौंकाया है। पर्थ की उछाल और गति वाली पिच पर मेजबान को डरा कर रखना शानदार बात रही। भारत का यह ऑस्ट्रेलिया में रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत भी है। 295 रन से यह मुकाबला जीतने से पहले भारत ने मेलबर्न में 1977 में 222 रन से जीत दर्ज की थी। वहीं, 2018 में भारत ने मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया को 137 रन से हराया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से क्लीन स्वीप होने के बाद भारतीय टीम की यह वापसी खास है। जसप्रीत बुमराह ने असाधारण कप्तानी की और फ्रंट से टीम को लीड किया। जब मुश्किल में पड़े, उन्होंने विकेट निकालकर दिया। पहली पारी में बुमराह ने पांच विकेट और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए। उन्हें इसके लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

भारत वापस लौटेंगे कोच गौतम गंभीर, पारिवारिक कारणों से ऑस्ट्रेलिया दौरा बीच में छोड़ेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सीरीज के पहले टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद अब वह पारिवारिक कारणों से देश लौटेंगे। अगर सबकुछ ठीक रहा तो दूसरे टेस्ट से पहले वह लौट जाएंगे। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पारिवारिक आपातकाल के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही ऑस्ट्रेलिया से वापस आएंगे। हालांकि, वह दूसरे टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया लौट जाएंगे। दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाना है, जो कि एक डे-नाइट टेस्ट मैच होगा। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भारत की ऐतिहासिक जीत के दौरान गंभीर ने अहम भूमिका निभाई थी। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में उन्होंने जसप्रीत बुमराह के साथ मिलकर भारतीय टीम को जीत दिलाई।इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सीरीज के पहले टेस्ट मैच में भारत की

जीत के बाद अब वह पारिवारिक कारणों से देश लौटेंगे। अगर सबकुछ ठीक रहा तो दूसरे टेस्ट से पहले वह लौट जाएंगे। भारत ने पर्थ में 295 रन की जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बनाई थी। दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम बुधवार को कैनबरा जाएगी, जहां उन्हें दो दिवसीय पिंक बॉल अभ्यास मैच खेलना है। हालांकि, गौतम गंभीर इस अभ्यास मैच के लिए टीम का हिस्सा नहीं होंगे। अभ्यास मैच शनिवार से शुरू होने वाला है। फिलहाल भारतीय टीम एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट की तैयारी कर रही है। दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी और भारतीय बल्लेबाजी के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की दूसरे टेस्ट में वापसी हो सकती है। इससे टीम मैनेजमेंट की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टीम इंडिया को मैच जीतने के बावजूद प्लेइंग-11 में बदलाव करना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के पहले मैच के चौथे दिन रोहित शर्मा को भारतीय ड्रेसिंग रूम में गंभीर के साथ बैठे देखा गया था। रोहित को सोमवार को नेट्स पर पिंक बॉल से अभ्यास करते हुए देखा गया और वह एडिलेड में अहम मुकाबले से पहले अपने स्किल पर काम करते दिखे। भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हरा दिया है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में कंगारू टीम 238 रन पर सिमट गई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 104 रन पर सिमट गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी भारत ने छह विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी थी और कुछ बढ़त 533 रन की हासिल की थी। ध्यान देने वाली बात यह है कि टीम इंडिया में न तो रोहित शर्मा थे, न ही शुभमन गिल, न ही रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन और न ही मोहम्मद शमी थे। इसके बावजूद टीम इंडिया ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ने के बाद भारत ने अब पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ा है। इस टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में चार टेस्ट खेले थे और सभी जीते थे।

बुमराह के साथ गेंदबाजी के लिए बोल्ट मिलने पर खुश है मुंबई इंडियंस', बोले आकाश अंबानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पांच बार की चैम्पियन टीम ने पिछले दो सत्र में बुमराह और जोफ्रा आर्चर की जोड़ी बनाई थी लेकिन आर्चर के लगातार चोटिल होने से उसकी रणनीति प्रभावित हुई। मुंबई इंडियंस के मालिक आकाश अंबानी ने प्रसन्नता जताई कि आईपीएल 2025 में जसप्रीत बुमराह के जोड़ीदार के रूप में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को लेने की उनकी योजना कामयाब रही। अंबानी ने आईपीएल मेगा नीलामी के दूसरे दिन कहा कि मुंबई इंडियंस ने अपने 12 खिलाड़ी तय कर लिए हैं जिनमें बोल्ट और बुमराह शामिल है। पांच बार की चैम्पियन टीम ने पिछले दो सत्र में बुमराह और जोफ्रा आर्चर की जोड़ी बनाई थी लेकिन

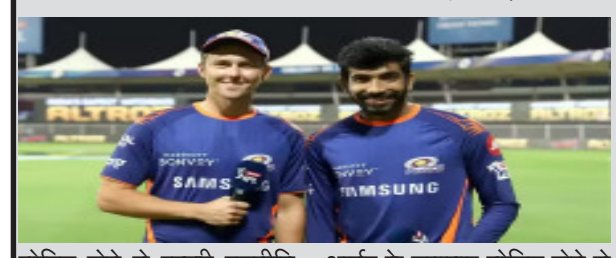

आर्चर के लगातार चोटिल होने से उसकी रणनीति प्रभावित हुई। अंबानी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'ट्रेंट बोल्ट और बुमराह की वापसी हो गई है और हम यह जोड़ी चाहते थे। नीलामी में आप किसी एक खिलाड़ी को तरजीह नहीं दे सकते । हमें खुशी है कि बोल्ट की वापसी हुई है।'अंबानी ने कहा कि अफगानिस्तान के स्पिनर अल्लाह गजांफर को लेने के लिए उन्हें काफी सोच विचार करना पड़ा । उन्होंने कहा, 'एक विदेशी स्पिनर लेने के लिये हमें काफी सोच विचार करना पड़ा।' उन्होंने कहा, हम उसे एक पैकेज के रूप में देखते हैं और हमें खुशी है कि वह हमारी टीम में है।'अंबानी ने कहा कि पिछली नीलामी में रोशन मिंज को गुजरात टाइटंस को खोने से वह दुखी है, लेकिन अब मुंबई इंडियंस टीम में झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज का काफी विकास होगा। उन्होंने कहा, 'वह एम एस धोनी या ईशान किशन की याद दिलाता है। या दोनों की, क्योंकि वह विकेटकीपर और खब्बू बल्लेबाज है। वह निचले क्रम में आता है। हम उससे बहुत खुश हैं। वह दो साल हमारे हमारे डेवलपमेंट दौरे का हिस्सा था।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

कूच विहार ट्रॉफी के लिए शहर आएंगी यूपी और विदर्भ की टीमें, 28 नवंबर से होगा मैच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कूच विहार ट्रॉफी के लिए 28 नवंबर से मैच होगा। यूपी की टीम 11 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर हैं।बीसीसीआई की अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश और विदर्भ के बीच होने वाले 28 नवंबर को मुकाबले की मेजबानी ग्रीनपार्क स्टेडियम करेगा। यूपी और विदर्भ की टीमें 26 नवंबर को कानपुर पहुंचेंगी। एलीट ग्रुप सी में शामिल उत्तर प्रदेश अभी तक तीन मुकाबले खेल चुका है। इसमें एक मैच में जीत, एक में हार और एक मैच ड्रॉ रहा है। टीम 11 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। कूच बिहार ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश को कुल पांच लीग मैच खेलने हैं। इसमें टीम तीन मैच खेल चुकी है। बरेली में हुए पहले घरेलू मैच में टीम को मध्य प्रदेश के हाथों 297 रनों की शिकस्त का सामना करना पड़ा था। वहीं, बिलासपुर में मेजबान हिमाचल प्रदेश को एक पारी और 230 रनों से हराया था, जबकि उत्तर प्रदेश का तीसरा मैच 20 नवंबर को आंध्र प्रदेश के खिलाफ मंगलागिरी में हुआ था, जो ड्रॉ रहा। इस मैच में यूपी ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर अधिक अंक

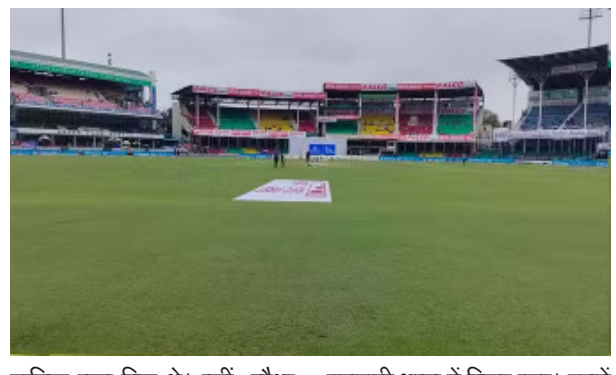

हासिल नाम किए थे। वहीं, चौथा मैच कानपुर ग्रीनपार्क स्टेडियम में 28 नवंबर को और आखिरी मैच छह दिसंबर को उत्तराखंड के खिलाफ काशीपुर में खेला जाएगा। यूपीसीए की मीडिया कमेटी के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने बताया कि कूच बिहार ट्रॉफी में यूपी और विदर्भ के बीच होने वाले मुकाबले के लिए ग्रीनपार्क स्टेडियम पूरी तरह से तैयार है। सीएसजेएमयू की ओर से मिशन शक्ति के तहत दो दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सोमवार को कैनाल रोड स्थित श्री चतुर्भुज शिवजी एंग्लो गुजराती भवन में किया गया। इसमें छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक के निदेशन में अस्त्र टीम के प्रशिक्षक विजय कुमार और सहायक आर्यन, मानसी, आसना, बुशरा, विशी ने बालिकाओं को पंच और किक का सही इस्तेमाल करने की जानकारी दी। कहा कि यदि पीछे से कोई पकड़कर उठने की कोशिश करे, तो दोनों पैरों का इस्तेमाल करके हमला करें। योग और व्यायाम से शरीर को स्वस्थ रखें। इस मौके पर नीतू शाह, अरुणा श्रीवास्तव, श्वेता पाठक, नीलम बाजपेई, नागेंद्र, संजय मिश्रा आदि मौजूद रहे। दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 19 से 23 नवंबर तक फेडरेशन कप कराटे चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इसमें तीन हजार से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चैंपियनशिप में कानपुर की नामिष, वैभवी व आद्विका ने रजत पदक जीता। तो, युवराज शुक्ला, युवराज सिंह, प्रज्ञान सोनी, दृष्टि सिंह, आयुष सिंह यादव, अर्शिका पोरवाल, सुमित यादव, कृष्णा यादव, विवेक सिंह, आर्यन वर्मा, अक्षत, अभिषेक, आराध्य, ओम ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इस चैंपियनशिप में पदक जीतने के साथ ही खिलाड़ियों का चयन 2025 में गोवा में होने वाली अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह जानकारी मुख्य कोच राज प्रताप सिंह ने दी।

सम्पादकीय

मेडिकल टूरिज्म का गढ़ बनता भारत, आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुर्वेद भी प्रचलित

सरकार को मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए जिसमें उचित नियम-विनियमन और प्रोत्साहन शामिल हो। भारत को अपने मेडिकल टूरिज्म का प्रचार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग अभियान भी चलाना चाहिए। टेलीमेडिसिन ई-परामर्श और अन्य डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को अपनाकर भी भारत मेडिकल टूरिज्म को गति दे सकता है।हाल में यूजीसी नेट में आयुर्वेद बायोलाजी को एक विषय के तौर पर शामिल करने का फैसला हो या फिर सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पीएम जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को भी शामिल करने की मांग, इससे यही पता चलता है कि आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की महत्ता बढ़ रही है। इसका प्रमाण तब भी मिला था, जब यह खबर आई थी कि ब्रिटेन के किंग चार्ल्स बेंगलुरु के पास एक आधुनिक आरोग्यशाला में पत्नी कैमिला समेत स्वास्थ्य लाभ के लिए आए। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति से सस्ते और सफल इलाज के साथ ही विदेशियों में भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों जैसे-आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, आहार विज्ञान जैसे उपचार लोकप्रिय हो रहे हैं। योग तो पहले से ही दुनिया भर में लोकप्रिय है। इस संदर्भ में यह भी स्मरण किया जाना चाहिए कि केरल के एर्नाकुलम स्थित श्रीधरीयम आयुर्वेदिक नेत्र अस्पताल द्वारा प्रदान की गई चिकित्सा के चलते केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री रैला ओडिंगा की पुत्री की आंखों की रोशनी वापस आ गई थी। यह किसी चमत्कार से कम न था। इसके बाद अफ्रीकी देशों से बड़ी तादाद में रोगी आयुर्वेदिक चिकित्सा के लिए भारत आने लगे। मैं अक्सर देहरादून जाता रहता हूं। हर बार मुझे वहां अनेक विदेशी मिल जाते हैं। उनसे बातचीत करने पर पता चलता है कि अधिकांश हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून या आसपास की आरोग्यशालाओं में आए होते हैं। कुछ तो महीनों के लिए आते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कोरोना काल में दुनिया का आयुर्वेद पर भरोसा बढ़ा। इसके चलते विश्व के कई देशों में आयुर्वेदिक दवाओं की मांग बढ़ी है। आज करीब सौ देशों में भारत के हर्बल उत्पाद पहुंच रहे हैं। आयुर्वेद की महत्ता को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी स्वीकार किया है। यह सही समय है कि आयुर्वेद के साथ अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में शोध को बढ़ावा दिया जाए। अब यह सिद्ध होता जा रहा है कि खानपान के जरिये भी सेहत का ध्यान रखा जा सकता है। इनमें मोटे और छोटे अनाज की महती भूमिका है। मिलेट्सजैन कहे जाने वाले पद्मश्री डा. खादरवली का दावा है कि मिलेट्स से अनेक रोगों का इलाज संभव है। उनका कहना है कि छह हफ्ते से लेकर छह महीने तक सिर्फ मिलेट्स के प्रयोग से कई बीमारियों के निदान में सफलता मिलती है। भारत में बीते कुछ वर्षों से हृदय रोग, अस्थि रोग, किडनी एवं लिवर ट्रांसप्लांट और दिल की तमाम बीमारियों के सफल इलाज के लिए दक्षिण एशियाई देशों के अलावा अफ्रीका, मध्य एशिया और खाड़ी के देशों से लेकर पश्चिमी देशों से भी हर साल लाखों रोगी आ रहे हैं। कुछ वर्षों से दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, चंडीगढ़ आदि के आधुनिक अस्पतालों में इलाज कराने के लिए भारी संख्या में विदेशी आने लगे हैं। दुनिया भर में बसे भारतवंशी भी स्वदेश में अपना इलाज कराना पसंद कर रहे हैं। इससे भारत मेडिकल टूरिज्म का गढ़ बन रहा है। देश के नामी प्लास्टिक सर्जन बताते हैं कि उनके पास हर महीने विदेशी बर्न इंजरी के इलाज से लेकर हेयर ट्रांसप्लांट और अपनी ढीली पड़ती त्वचा को ठीक कराने के लिए आते हैं।हमें ऐसी नीतियां अपनानी चाहिए, जिससे अधिक से अधिक विदेशी रोगी इलाज के लिए भारत आएं। उनके भारत आने से देश को अमूल्य विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होगी। जब भी एक रोगी भारत आता है तो उसके साथ दो-तीन तीमारदार भी आते हैं। वे महीनों यहां रहते हैं। भारत में विदेश से रोगी इसलिए भी आ रहे हैं, क्योंकि यहां पर मरीजों को सर्वश्रेष्ठ प्री और पोस्ट-सर्जरी सुविधाएं यूरोप या अमेरिका की तुलना में बहुत कम कीमत पर मिल जाती हैं।भारत के पास योग्य चिकित्सा पेशेवर और अत्याधुनिक उपकरण हैं। इसके अलावा भारत स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से समझौता किए बिना अमेरिका और ब्रिटेन की तुलना में कम खर्चीला उपचार विकल्प प्रदान करता है। भारत में इलाज का खर्च अमेरिका के मुकाबले करीब एक चौथाई है। यदि हम इस मोर्चे पर संभल कर चले तो फिर विदेशी इलाज के लिए थाइलैंड, सिंगापुर और जापान जैसे देशों के बजाय भारत का ही रुख करने लगेंगे।

विपक्ष की पहली प्राथमिकता हंगामा, सदन में यह स्वभाव ठीक नहीं

संसद का कोई भी सत्र हो, उसकी शुरुआत हंगामे से होना एक परंपरा का रूप ले चुका है। यह एक खराब परंपरा है, लेकिन यह इसके बाद भी जारी है कि इससे किसी को कुछ हासिल नहीं होता-उस विपक्ष को भी नहीं, जो हंगामा करता है।

विडंबना यह है कि वह हंगामे को अपनी जीत की तरह प्रस्तुत करता है। संसद में इस या उस मुद्दे के बहाने हंगामा करना एक राजनीतिक स्वभाव बन गया है। जब जो दल विपक्ष में होता है, वह हंगामा करना पसंद करता है और वह भी तब, जब वह सत्ता में रहते समय हंगामे से त्रस्त हो चुका होता है। इस पर हैरानी नहीं कि संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन दोनों सदनों में हंगामा हुआ। विपक्ष को हंगामा मचाने की इतनी जल्दी थी कि दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि देने के तुरंत बाद ही हंगामा किया जाने लगा। क्या इसलिए कि उसकी पहली प्राथमिकता हंगामा करना ही था? संसद के आने वाले दिन भी हंगामे भरे हों तो आश्चर्य नहीं, क्योंकि विपक्ष ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वह इन-इन मुद्दों को संसद में उठाएगा। विपक्ष यदा-कदा अपने हिसाब से ज्वलंत मुद्दों को उठाता है, लेकिन उन पर सार्थक बहस करने और सरकार से जवाब मांगने के बजाय उसकी दिलचस्पी इसमें अधिक होती है कि संसद चलने न पाए। आम तौर पर विपक्ष संसद में सरकार को घेरने के लिए मुद्दों का चयन खुद नहीं करता। वह उन मुद्दों को लेकर आगे आ जाता है, जो संसद सत्र के पहले से ही चर्चा में आ गए होते हैं। यह पहले से तय था कि मणिपुर और अदाणी प्रकरण के साथ संभल का मामला भी विपक्ष की कार्यसूची में आ जाएगा। ऐसे मामले उसकी कार्यसूची में होने ही चाहिए, लेकिन क्या उसके लिए यह भी आवश्यक नहीं कि वह अपने स्तर पर जनता से जुड़े कुछ मुद्दों का चयन करे और इसके लिए प्रयत्न करे कि सरकार उन पर जवाब दे? शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरीकरण समेत न जाने कितने ऐसे विषय हैं, जिन पर संसद में व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए।

संभल सरीखे विवाद पर होश संभालें, सर्वे मात्र से कोई मस्जिद मंदिर में तब्दील नहीं होने वाली

संभल की जामा मस्जिद को लेकर एक अर्से से यह कहा जा रहा है कि यहां पहले भगवान विष्णु के नाम का हरिहर मंदिर था जिसे बाबर के आदेश पर तोड़कर वहां मस्जिद बनवाई गई। ऐसा कई इतिहासकार भी कहते हैं। मंदिर की जगह मस्जिद का निर्माण कराए जाने के दावे के आधार पर कुछ लोग स्थानीय अदालत गए। 19 नवंबर को अदालत ने सर्वे के आदेश दिए। मंदिर-मस्जिद विवाद में किसी भी भारतीय नागरिक को इतनी समझ होनी ही चाहिए कि यदि कोई अदालत किसी मस्जिद के सर्वे का आदेश दे देती है तो सर्वे होने मात्र से मंदिर का दावा करने वाले उस पर कब्जा नहीं कर सकते। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम यह कहता है कि सभी धार्मिक स्थल उसी स्थिति में रहेंगे, जैसे वे 15 अगस्त 1947 को थे।यह अधिनियम धार्मिक स्थलों के मामले में यथास्थिति कायम रखने का आदेश देने के साथ ही इसकी भी अनुमति देता है कि किसी स्थल का धार्मिक स्वरूप जानने के लिए उसका सर्वे हो सकता है। इसी के चलते पहले वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वे हुआ और फिर धार, मध्य प्रदेश में भोजशाला परिसर का।मथुरा की ईदगाह मस्जिद के सर्वे का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इससे हर कोई परिचित होगा कि ज्ञानवापी और भोजशाला में सर्वे के दौरान वैसा कुछ भी नहीं हुआ, जैसा संभल में हुआ। संभल में इतना अधिक उपद्रव हुआ कि चार लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए, जिनमें कई पुलिसकर्मी भी हैं। संभल में भीषण पत्थरबाजी यही संकेत कर रही है कि उसके लिए पहले से तैयारी की गई थी।संभल की जामा मस्जिद को लेकर एक अर्से से यह कहा जा रहा है कि यहां पहले भगवान विष्णु के नाम का हरिहर मंदिर था, जिसे बाबर के आदेश पर तोड़कर वहां मस्जिद बनवाई गई। ऐसा कई इतिहासकार भी कहते हैं। मंदिर की जगह मस्जिद का निर्माण कराए जाने के दावे के आधार पर कुछ लोग स्थानीय अदालत गए। 19 नवंबर को अदालत ने सर्वे के आदेश दिए।सर्वे का काम उसी दिन शाम को शुरू हो गया, लेकिन अंधेरा होने के कारण वह पूरा नहीं हो पाया और यह तय हुआ कि आगे फिर किसी दिन होगा। इसे रोकने के लिए ऊपरी अदालत जाने का रास्ता खुला था। लगता है कि उसका सहारा लेने के बजाय कुछ लोगों ने पत्थरबाजी करना बेहतर समझा।पत्थरबाजी के बीच पुलिस के वाहनों को भी निशाना बनाया गया और गोलीबारी भी की गई। पुलिस की मानें तो जो चार लोग मरे, वह उसकी गोली से नहीं मरे। पता नहीं सच क्या है। अब इस पर खूब बहस हो रही है कि हिंसा क्यों हुई और किसने की? शायद इसका पता चल जाए, लेकिन इससे वे वापस नहीं आने वाले, जिनकी जान चली गई।पता नहीं संभल में मस्जिद के सर्वे को लेकर क्या अफवाह उड़ाई गई, लेकिन यह तो साफ ही है कि सर्वे के बाद भी यथास्थिति में कोई बदलाव होने वाला नहीं था। आखिर जब अयोध्या में मंदिर के अकाट्य प्रमाण मिलने के बाद भी ऐसा नहीं हो सका तो भला संभल में कैसे हो जाता? यह एक तथ्य है कि ज्ञानवापी और भोजशाला के सर्वे के बाद भी यथास्थिति कायम है।संभल में जामा मस्जिद के सर्वे से आपा खोने वालों की आपत्ति का यह एक आधार हो सकता है कि आखिर स्थानीय अदालत के मस्जिद के सर्वे के आदेश पर तुरंत अमल क्यों होने लगा, लेकिन क्या इस आपत्ति का जवाब पत्थरबाजी थी? जामा मस्जिद के सदर जफर अली की मानें तो भीड़ इसलिए भ्रमित हो गई, क्योंकि मस्जिद के सर्वे के क्रम में वजूखाने के हौज का पानी बाहर निकाले जाने से लोगों को लगा कि उसकी खोदाई शुरू हो गई है।यह अजीब और हास्यास्पद है, क्योंकि कथित भ्रमित लोग नकाब पहनकर पत्थरबाजी करते देखे गए। यह पहली बार नहीं, जब सरकार या अदालत के किसी फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतरकर हिंसा की गई हो। नागरिकता संशोधन कानून के मामले में भी ऐसा ही देखने को मिला था। तब सड़कों पर उतरकर बड़े पैमाने पर हिंसा की गई थी, जबकि इस कानून का किसी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं था।इस हिंसा में सरकारी और गैरसरकारी संपत्ति को आग के हवाले किया गया था और दिल्ली में तो शाहीन बाग इलाके में करीब साल भर तक एक प्रमुख सड़क को घेरकर धरना दिया गया था। यही धरना बाद में दिल्ली में भीषण दंगे का कारण बना, जिसमें 50 से अधिक लोग मारे गए थे।यह संभव है कि किसी व्यक्ति, समूह या समुदाय को कोई फैसला रास न आए, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह वैसा करे, जो संभल में किया गया। किसी को भी इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती कि यदि कोई काम उसके मन का न हो तो वह मनमानी करे। मंदिर-मस्जिद विवादों के हल के लिए दो ही उपाय हैं-एक, अदालतों के जरिये और दूसरा, आपसी सहमति के माध्यम से। आपसी सहमति से मंदिर-मस्जिद के विवाद हल हो सकते हैं, इसका प्रमाण है गुजरात का पावागढ़ मंदिर।इस प्राचीन मंदिर के शिखर को 15वीं सदी में आक्रमणकारी सुल्तान महमूद बेगड़ा ने ध्वस्त कर वहां एक पीर की दरगाह बनवा दी थी। दोनों पक्षों के बीच लंबी बातचीत के बाद मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराने की सहमति बनी और इस तरह सैकड़ों साल बाद 2002 में मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराया गया। यह एक तथ्य है कि देश में न जाने कितने मंदिर हैं, जिन्हें आक्रमणकारियों ने ध्वस्त कर वहां मस्जिदें बनवाईं।यह ठीक नहीं होगा कि हर ऐसी मस्जिद को मंदिर में तब्दील करने की कोशिश की जाए। ऐसा तो कुछ चुनिंदा मामलों में ही हो सकता है। जहां ऐसा नहीं हो सकता, वहां साक्ष्यों के आधार पर केवल इतना अंकित कर देना भर पर्याप्त होगा ।

टूट गई कांग्रेस के कायाकल्प की उम्मीद, विधानसभा चुनाव के नतीजों से लगा झटका

झारखंड की राजनीतिक प्रकृति ऐसी रही कि लगातार दो बार कोई दल चुनाव नहीं जीता और बारी-बारी से सरकार बनाने का रिवाज चला आया है। अक्सर राज्य की जनता ने खंडित जनादेश ही दिया जिससे यहां जोड़तोड़ की राजनीति को खूब खाद-पानी मिलता रहा। ऐसे रुझानों को पलटते हुए राज्य की जनता ने झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी झामुमो के नेतृत्व में आइएनडीआइए ने जोरदार जीत दर्ज की है।हाल में संपन्न महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के परिणामों का विभिन्न दृष्टिकोणों से विश्लेषण जारी है। इन परिणामों को लेकर यह अवश्य कहा जा सकता है कि ये काफी अप्रत्याशित रहे। दोनों राज्यों में सत्तारूढ़ गठबंधनों ने केवल सत्ता में वापसी ही नहीं की, बल्कि उनकी जीत पहले से भी जोरदार रही। ये चुनाव यह देखते हुए भी अप्रत्याशित कहे जा सकते हैं कि दोनों राज्यों ने करीब छह महीने पहले लोकसभा चुनावों के रुझान को भी पलटने का काम किया। लोकसभा सीटों की दृष्टि से उत्तर प्रदेश के बाद सबसे बड़े राज्य महाराष्ट्र में भाजपा को भारी झटका लगा था, जबकि झारखंड में उसकी स्थिति बढ़िया रही थी।लोकसभा में भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल न होने की एक बड़ी वजह महाराष्ट्र में उसका कमजोर प्रदर्शन भी माना गया। महाराष्ट्र में पिछले दस वर्षों के दौरान बीच के कुछ अंतराल को छोड़कर भाजपा सत्ता पर काबिज रही थी तो कुछ सत्ता विरोधी रुझान का भी उसे सामना करना पड़ रहा था। एकनाथ शिंदे और अजीत पवार जैसे सहयोगियों के साथ तालमेल को लेकर भी तरह-तरह की खबरें आ रही थीं। मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर जारी मुहिम और ग्रामीण क्षेत्रों में असंतोष एवं कृषि संकट भी सरकार की मुश्किलें बढ़ा रहा था। इसके बावजूद सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति की ऐसी प्रचंड विजय हुई कि विपक्षी दलों को नेता-प्रतिपक्ष का पद हासिल करने लायक सीटें भी नहीं मिलीं। दूसरी ओर, झारखंड में भाजपा की हार राजनीतिक विश्लेषकों को नए सिरे से सोचने पर मजबूर करने वाली है।झारखंड की राजनीतिक प्रकृति ऐसी रही कि लगातार दो बार कोई दल चुनाव नहीं जीता और बारी-बारी से सरकार बनाने का रिवाज चला आया है। अक्सर राज्य की जनता ने खंडित जनादेश ही दिया, जिससे यहां जोड़तोड़ की राजनीति को खूब खाद-पानी मिलता रहा। ऐसे रुझानों को पलटते हुए राज्य की जनता ने झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी झामुमो के नेतृत्व में आइएनडीआइए ने जोरदार जीत दर्ज की है। हाल में संपन्न महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के परिणामों का विभिन्न दृष्टिकोणों से विश्लेषण जारी है। इन परिणामों को लेकर यह अवश्य कहा जा सकता है कि ये काफी अप्रत्याशित रहे। दोनों राज्यों में सत्तारूढ़ गठबंधनों ने केवल सत्ता में वापसी ही नहीं की, बल्कि उनकी जीत पहले से भी जोरदार रही। ये चुनाव यह देखते हुए भी अप्रत्याशित कहे जा सकते हैं कि दोनों राज्यों ने करीब छह महीने पहले लोकसभा चुनावों के रुझान को भी पलटने का काम किया। लोकसभा सीटों की दृष्टि से उत्तर प्रदेश के बाद सबसे बड़े राज्य महाराष्ट्र में भाजपा को भारी झटका लगा था, जबकि झारखंड में उसकी स्थिति बढ़िया रही थी।लोकसभा में भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल न होने की एक बड़ी वजह महाराष्ट्र में उसका कमजोर प्रदर्शन भी माना गया। महाराष्ट्र में पिछले दस वर्षों के दौरान बीच के कुछ अंतराल को छोड़कर भाजपा सत्ता पर काबिज रही थी तो कुछ सत्ता विरोधी रुझान को पलटते हुए राज्य की जनता ने झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी झामुमो के नेतृत्व में आइएनडीआइए ने जोरदार जीत दर्ज की है। भाजपा यहां बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा जोर-शोर से उठाने के साथ ही उसे आदिवासी अस्मिता पर संकट के साथ जोड़ रही थी। साथ ही, बाबूलाल मरांडी की वापसी एवं सुदेश महतो के साथ अनुकूल गठजोड़ और चम्पाई सोरेन जैसे झामुमो के दिग्गज को अपने पाले में लाकर भाजपा जीत के प्रति आश्वस्त दिख रही थी। नतीजों ने इन सभी पहलुओं को अप्रभावी कर दिया और झामुमो सत्ता विरोधी रुझान को पलटने में सफल रही।दोनों राज्यों में सत्तारूढ़ गठबंधन की जीत में महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं के योगदान को सबसे प्रमुख कारक बताया जा रहा है। महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने जहां लाडकी बहिन योजना तो झामुमो सरकार ने मंइयां सम्मान योजना पर बड़ा दांव लगाया। ये दांव कारगर भी रहे। दोनों राज्यों में विपक्षी दलों ने भी ऐसी ही मिलती-जुलती या कई मायनों में उससे भी आकर्षक योजनाओं का वादा किया, लेकिन मतदाताओं ने मौजूदा योजनाओं में ही अपना भरोसा जताया, जिनका उन्हें लाभ मिल रहा था। निःसंदेह दोनों राज्यों के विजयी गठबंधनों में इन योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है, लेकिन इतनी व्यापक जीत में केवल कोई एक कारक ही जिम्मेदार नहीं हो सकता। ऐसी जीत में कई कारक एक साथ प्रभावी होते हैं। ऐसे ही एक कारक नैरेटिव की बात करें तो विरोधाभासी रुझान सामने आते हैं। जहां झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा नहीं चल पाया, वहीं महाराष्ट्र में 'बटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' जैसे नारे बखूबी चले। विपक्षी धड़े के एक बड़े नेता शरद पवार ने यह स्वीकारोक्ति भी की। ऐसे में इस पर हैरानी होती है कि जिस प्रकृति का नैरेटिव एक राज्य में चला तो वह दूसरे प्रदेश में क्यों प्रभावी नहीं रहा इन चुनावों के साथ ही पिछले कुछ चुनावों के परिणामों की प्रकृति भी अप्रत्याशित रही है। ज्यादा पीछे न जाएं तो लोकसभा चुनाव इसके सबसे बड़े उदाहरण रहे, जहां मोदी सरकार की सत्ता में वापसी को लेकर एक प्रकार की सर्वानुमति थी। उसकी संभावित सीटों को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल करने में किसी को संदेह नहीं था। परिणाम उसके उलट रहे। इसी तरह, बीते दिनों हरियाणा चुनाव के दौरान लगा कि सत्ता का खेल केवल कांग्रेस को तश्तरी में परोसने की औपचारिकता भर है, लेकिन नतीजों के बाद बड़े-बड़े चुनावी पंडितों को भूमिगत होना पड़ गया। इसी कड़ी में अब झारखंड और महाराष्ट्र का नाम भी जुड़ गया है। अप्रत्याशित चुनावी परिणामों के सिलसिले में एक साझा कारक यह भी उभरता दिख रहा है कि लगभग हर चुनाव से पहले एक पार्टी या गठबंधन के पक्ष में जो माहौल दिखाई पड़ता है, उसके चलते उस पार्टी के नेताओं से लेकर उसके कार्यकर्ताओं और प्रतिबद्ध मतदाताओं में एक प्रकार का अति-आत्मविश्वास भर जाता है, जो अंत में आत्मघाती सिद्ध होता है। चुनावी माहौल समय से पहले परवान चढ़ जाता है और निर्णायक पड़ाव तक आते-आते ठिठक जाता है। दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम का राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य पर असर पड़ना तय है। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र की जीत जहां लोकसभा चुनाव में मिले भाजपा के जख्मों पर मरहम लगाने का काम करेगी, वहीं झारखंड की हार उसे कचोटती भी रहेगी। हालांकि ये नतीजे कांग्रेस के लिए कहीं ज्यादा बड़ा झटका हैं। लोकसभा चुनावों के बाद पार्टी को हरियाणा और महाराष्ट्र में कायाकल्प की उम्मीद थी, लेकिन उसे भारी निराशा हाथ लगी। उसके लिए यह और भी बड़ा झटका है कि अधिकांश सीटों पर सीधे मुकाबले में वह भाजपा से हार गई। चूंकि राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बड़े राज्यों में कांग्रेस पहले से ही हाशिए पर है, ऐसे में ताजा चुनाव परिणाम उसकी राजनीतिक संभावनाओं को और कमजोर करेंगे। झारखंड में भले ही झामुमो गठबंधन जीता हो, लेकिन कांग्रेस वहां 'जहां की तहां' वाली स्थिति में रही। यह काफी कुछ जम्मू-कश्मीर जैसी कहानी है, जहां पार्टी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा तो है, लेकिन उसकी खुद की राजनीतिक जमीन सिकुड़ गई है। अब दोनों राष्ट्रीय दल दिल्ली और बिहार के विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटेंगे, जहां उन्हें अपनी रणनीति नए सिरे से तय करनी होगी।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with " Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

जीएल बजाज कॉलेज प्रदेश का ही नहीं, बल्कि देश का एक प्रतिष्ठित संस्थान है:- जगदम्बिका पाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। स्थित जी.एल. बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के 20 वर्षों के गौरवशाली सफर को भव्य जश्न के साथ मनाया जा रहा है। इस ऐतिहासिक यात्रा के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद जगदंबिका पाल की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिससे आयोजन में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। कॉलेज की छात्राओं ने राजस्थान के प्रसिद्ध नृत्य घूमर की अद्भुत प्रस्तुति देकर सभी का ध्यान आकर्षित किया और सभागार में सांस्कृतिक रंग भर दिया। वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने संस्थान की यात्रा और उपलब्धियों को याद करते हुए पूर्व कर्मचारियों और वर्तमान शिक्षकों के योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने संस्थान के भूमि पूजन के समय को याद करते हुए संस्थापक डॉ. राम किशोर अग्रवाल की दूरदर्शिता की प्रशंसा की। उन्होंने वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल के नेतृत्व को सराहते हुए कहा कि उनके विजन और अथक प्रयासों ने जीएल बजाज को केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में स्थापित किया है। सांसद जगदंबिका पाल ने संस्थान के पूर्व और वर्तमान शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों और संस्थान के प्रति समर्पण के लिए अवार्ड देकर सम्मानित किया। सांसद ने छात्रों और प्रशासन के सामूहिक प्रयासों की भी सराहना की और भविष्य के लिए उनकी प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में चेयरमैन डॉ. राम किशोर अग्रवाल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह और शॉल देकर सम्मानित किया। अंत में कॉलेज के निदेशक डॉद मानस कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि इस आयोजन में न केवल संस्थान की सफलता का उत्सव मनाया, बल्कि इसकी आगामी उपलब्धियों के लिए एक प्रेरणा भी प्रदान की है। जीएल बजाज का यह जश्न संस्थान के शानदार भविष्य और शिक्षा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को चिह्नित करता है।

सपा नोएडा महानगर ने मनाया संविधान दिवसः लिया संविधान की रक्षा का संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में संविधान दिवस मनाया। सपा नेताओं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। सभी लोगों ने 26 /11 में जो लोग शहीद हुए थे।उनके लिए 2 मिनट का मौन रखा और उनको याद करने का काम किया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि संविधान के द्वारा हम भारतवासियों को अनेक मौलिक अधिकार प्राप्त हुए हैं । केंद्र सरकार और संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के लोग संविधान को बदल देना चाहते हैं। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी वह जयकरण चौधरी ने कहा कि संविधान सुरक्षित रहेगा तभी पत्रों को आरक्षण और सुविधाओं का मिलना जारी रह सकेगा। उपाध्यक्ष मोहम्मद नौशाद वह विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने कहा कि संविधान की रक्षा हम सब का दायित्व है इसकी रक्षा के लिए समाजवादी सोच को मजबूत करना होगा। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में मोहम्मद तसलीम, रामवीर यादव, राम सहेली, बबली शर्मा, शालिनी खारी, सतवीर यादव, बाबूलाल बंसल, राणा मुखर्जी, बाबा जयवीर,शादाब खान, सौरभ चौहान,आसिफ अंसारी , विश्वास , मयंक कुमार लाल, देवेंद्र खारी, गुलजार,मुख्य रूप से मौजूद रहे।

प्लास्टिक फ्री पंचायत बनाने की शुरू हुई मुहिमःनमिता शरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में प्लास्टिक फ्री ग्राम पंचायत बनाने की मुहिम की शुरुआत मंगलवार को विकास खंड घोरावल, करमा, राबर्ट्सगंज, कोन, चतरा एवं नगवा के चयनित 35 ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक एवं सफाई कर्मियों के प्रशिक्षण से इसकी शुरुआत जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण ने किया। पीआरसी सेंटर में आयोजित प्रशिक्षण में जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण ने सभी ग्राम प्रधान एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित करते हुए बताया कि प्रत्येक विकास खंड से 5 ग्राम पंचायत का चयन किया गया है जिसमें इन गांवों को प्लास्टिक फ्री बनाना है इसके लिए अभियान को 5 चरणों में बाटा गया है। जो गांव प्लास्टिक फ्री बनाए जाएंगे उन गांवों को प्राथमिकता के आधार पर जनपद को प्राप्त होने वाले पुरस्कारों में प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना और पंचायत शसक्तीकरण योजना में भी उसे गांव का चयन में प्लास्टिक के द्वारा राजस्व बढ़ाने पर इन पंचायतों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। ग्राम प्रधानों ने या आश्वासन दिया कि हम अपने गांव को प्लास्टिक फ्री गांव बनाएंगे। प्लास्टिक फ्री ग्राम पंचायत बनाए जाने का प्रशिक्षण में डीसी अनिल केसरी द्वारा सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह है की आज सभी ग्राम में कूड़े के रूप प्लास्टिक सबसे बिखरा हुआ कूड़ा है। जल, मृदा, और मानव और पशुओं के स्वास्थ्य के कुप्रभाव हम लोगो को अपने गिरफ्त में ले चुका है। प्लास्टिक फ्री ग्राम पंचायत बनाना एक महान कार्य होगा। जिससे हम ग्राम पंचायत का नाम प्रदेश और देश स्तर पर ऊंचा कर सकते है। ग्राम पंचायत को प्लास्टिक फ्री करने को हम 5 चरण में कार्य करेंगे। प्रथम चरण में गांव के लोगों की बैठक कर उनकी सहभागिता लिया जाए तथा एक तिथि सुनिश्चित करते हुए पूर्व से फैले हुए प्लास्टिक को बिन कर एक जगह इकट्ठा कर लिया जाए। द्वितीय चरण में सभी घरों पर बोरी लगाकर उनसे अपील की जाए कि सभी लोग अपने प्लास्टिक को इस बोरी में रखें। तृतीय चरण में ग्राम पंचायत में ई-रिक्शा के माध्यम से उन प्लास्टिकों को बोरियों से संकलित किया जाए। तत्पश्चात ग्राम पंचायत में निर्मित आर आर सी पर प्लास्टिक को रखा जाएगा। उक्त के पश्चात सभी ग्राम पंचायत से प्लास्टिक विकास खंड पर जमा किया जाएगा और वहां से प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट में प्रोसेसिंग के लिए भेज दिया जाएगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि हम एक ऐसा अभियान शुरू करने जा रहे हैं जो प्रदेश में जनपद की एक अनूठी छवि प्रस्तुत करेगी तथा हम इस अभियान को प्रदूषण मुक्त सोनभद्र तथा सोनभद्र में आने वाले पर्यटकों को भी एक साफ सुथरा गांव देंगे जिससे वह भी जनपद के गांव की तारीफ बाहर कर सकें। जिला पंचायत राज अधिकारी ने सभी ग्राम प्रधान को बताया कि जो ग्राम पंचायत प्लास्टिक फ्री की घोषणा करेंगी उसके उपरांत जनपद स्तर से एक टीम द्वारा उसका निरीक्षण किया जाएगा तथा वातावरण में प्लास्टिक फ्री मिलने पर उसे गांव को जनपद स्तर से भी पुरस्कृत कराया जाएगा। प्रशिक्षण में इन विकास खण्डों के सहायक विकास अधिकारी पंचायत, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, चयनित ग्राम प्रधान तथा अनूप कुमार पाल एवं किरन सिंह डीसी उपस्थिति रही।

बॉलीवुड/टेली मसाला

नयनतारा ने बॉडी शेमिंग को लेकर तोड़ी चुप्पी, दिया करारा जवाब, बोलीं- मैंने बिल्कुल वही पहना थाष्ठ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लेडी सुपरस्टार नयनतारा ने अपने करियर में एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने हाल ही में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स डॉक्यूसीरीज 'नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल' में अपने सफर में आए उतार-चढ़ाव के बारे में बातचीत की है। अपनी डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल' के एक वीडियो क्लिप में अभिनेत्री ने याद किया कि कैसे 2005 में उनकी फिल्म गजनी रिलीज होने पर उन्हें किस तरह भद्दी टिप्पणियों से गहरा असर पड़ा था। डॉक्यूमेंट्री का एक वीडियो क्लिप अब निर्माताओं द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है, जिसमें नयनतारा को अपने करियर के सबसे बुरे दौर के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है। नयनतारा ने 2005 में एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'गजनी' की शूटिंग के दौरान की बात को लेकर खुलासा किया। तमिल फिल्म गजनी में नयनतारा के अलावा सूर्या और असिन ने भी अभिनय किया था। नयनतारा ने कहा, ठ उनके करियर की सबसे खराब फिल्म गजनी थी।ठ वीडियो क्लिप में नयनतारा को लेकर कई खबरे दिखाई गईं, जिसमें उन्हें मोटापे के लिए शर्मिंदा किया गया और उन्हें 'अधिक वजन वाला' कहा गया। अभिनेत्री ने कहा कि वह भद्दे कमेंट्स देखती थीं और बहुत प्रभावित होती थीं। ऐसे दिन थे जब मैं सभी कमेंट्स देखती थी और लोग कहते थे 'वह अभिनय क्यों कर रही है? वह फिल्म में क्यों है? वह इतनी मोटी है नयनतारा ने कहा, ठआप किसी कलाकार के बारे में बॉडी शेमिंग को लेकर ऐसी बातें नहीं कह सकते। आप फिल्म में प्रदर्शन के हिस्से के बारे में बात कर सकते हैं। हो सकता है, मैं अच्छी नहीं थी, लेकिन मैं बिल्कुल वही कर रही थी, जो मेरे निर्देशक ने मुझे करने के लिए कहा था और मैंने बिल्कुल वही पहना, जो उन्होंने मुझे पहनने के लिए कहा था। मैं एक नई कलाकार थी इसलिए मुझे इसमें कुछ कहने का मौका नहीं मिलागजनी के बाद नयनतारा ने विष्णुवर्धन की 2007 की फिल्म बिल्ला में अपनी बिकनी पहने उपस्थिति के बारे में बात की। नयनतारा ने बताया, पूरा ड्रामा बिकनी सीन के बारे में था, जो सभी के लिए एक मुद्दा था। लेकिन मैंने सोचा..इस तरह से सब कुछ बदल जाता है। मैंने ऐसा इसलिए नहीं किया क्योंकि मैं कोई बात साबित करना चाहती थी। यह जरूरी था, इसलिए मैंने इसे किया। और मुझे लगता है कि यह मेरे लिए कारगर रहा।

अब जाकर खत्म हुई 'पुष्पा 2' की शूटिंग, तय तारीख पर रिलीज होगी कि नहीं, आया नया अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जानकारी के मुताबिक फिल्म 'पुष्पा 2' के पैचवर्क की फाइनल शूटिंग सोमवार को जाकर खत्म हो सकी है। चर्चाएं ये भी शुरू हो गई थीं कि फिल्म की रिलीज हो सकता है कि 5 दिसंबर से आगे खिसक जाए। साउथ सिनेमा का इस साल के पहले महीने में फिल्म 'हनुमान' से जैसा हल्ला देश-दुनिया में हुआ, वैसा फिर दोबारा पूरे साल दिखा नहीं है। 'देवरा'में जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर का जादू नहीं चला। 'कंगुवा' में सूर्या और बॉबी देओल दर्शकों को लुभा नहीं पाए। 'मटका' में वरुण तेज, मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही को न तेलुगु में पानी मिला और न ही हिंदी में। ले-देकर तमिल फिल्म 'अमरण' ने ही थोड़ी बहुत लाज बचाई और अब बारी है 'पुष्पा 2' की। इस फिल्म की शूटिंग अब जाकर खत्म हो पाई है। निर्देशक सुकुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग शुरू से ही सामान्य गति से नहीं चल पाई। कभी अल्लू अर्जुन और सुकुमार के बीच मतभेद की खबरें आईं। अल्लू अर्जुन के गेट अप बदलने की भी खूब बातें हुई और फिर दोनों अलग अलग छुट्टियां मनाने विदेश तक चले गए। किसी तरह मामला सुलटा तो पता चला कि फिल्म के विलेन फहद फासिल की तारीखें ही नहीं मैच हो रही हैं। इसी चक्कर में इस साल 15 अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्म अब दिसंबर में रिलीज होना तय हुई है। फिल्म का प्रचार शुरू हो चुका है। अल्लू अर्जुन पटना और चेन्नई में फिल्म के ट्रेलर और गाने लेकर घूम आए हैं। फिल्म के बैकग्राउंड म्यूजिक के लिए देवी श्री प्रसाद उर्फ डीएसपी के साथ-साथ और भी कई संगीतकार हाथ आजमाने आए हैं। इस सबके बीच निर्देशक सुकुमार फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म का जो आइटम गाना श्री लीला पर फिल्माया गया है, उसका असर समांथा के गाने 'ऊ अंटावा' जैसा बिल्कुल नहीं है। ये गाना तुरत फुरत में फिल्माया गया है और फिल्म के तमाम दृश्यों का पैचवर्क भी निकलता रहा है। जानकारी के मुताबिक फिल्म 'पुष्पा 2' के पैचवर्क की फाइनल शूटिंग सोमवार को जाकर खत्म हो सकी है। पैचवर्क की शूटिंग लगातार बढ़ते जाने के बीच चर्चाएं ये भी शुरू हो गई थीं कि फिल्म की रिलीज हो सकता है कि 5 दिसंबर से आगे खिसक जाए। लेकिन, सोमवार की देर रात शूटिंग का फुटेज देखने के बाद फिल्म की टीम की जो मीटिंग हुई है, उसके मुताबिक फिल्म अपनी तय तारीख 5 दिसंबर को ही रिलीज होगी। निर्देशक सुकुमार ने वादा किया है कि वह महीने के आखिर तक फिल्म की पहली कॉपी सेंसर को दे देंगे।

मुश्किल वक्त में अभिषेक पहुंचे पिता अमिताभ के पास, मिली जो सलाह बदल गई जिंदगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिषेक बच्चन की हालिया रिलीज फिल्म 'आई वांट टू टॉक' बॉक्स ऑफिस पर मनचाही सफलता हासिल नहीं कर पाई। लेकिन वह इस बात से निराश नहीं हैं, क्योंकि सालों पहले पिता अमिताभ ने उन्हें करियर को लेकर एक कीमती सलाह दी थी। जो आज भी उनको हौंसला देती है। अभिषेक बच्चन की फिल्म 'आई वांट टू टॉक' एक बीमारी व्यक्ति के जीवन को दिखाती है। साथ ही इसमें पिता और बेटी की रिश्ते को भी बड़ी खूबसूरती से दिखाया गया है। असल जिंदगी में भी अभिषेक और उनके पिता का रिश्ता बहुत ही अलग तरह का है। अमिताभ एक दोस्त की तरह अपने बेटे अभिषेक को जिंदगी और करियर को लेकर सलाह देते हैं। जब अभिषेक के शुरुआती करियर में मुश्किल दौर चल रहा था, तब भी अमिताभ की सलाह ने उनका हौंसला बढ़ाया। अभिषेक ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के मुश्किल दौर के बारे में बताया। वह कहते हैं, ' क्रिटिक्स मेरे हर तरह के काम की आलोचना कर रहे थे, क्योंकि उस समय मेरी कई फिल्में नहीं चल रही थी। तब मैं अपने पिता के पास गया और उनसे कहा कि मुझे लगता है कि मैंने बड़ी गलती की है। शायद मैं अभिनेता बनने के लिए नहीं बना हूं। ऐसे में मेरे पिता ने कहा कि मैं खुद के लिए ईमानदार रहूं। साथ ही उन्होंने कहा कि अपनी कला को निखारने का एक ही तरीका है कि आप काम करते रहो। उन्होंने कहा कि जो भी फिल्में मिलें, उन्हें साइन कीजिए और काम करते रहिए।' यह सलाह आगे चलकर अभिषेक के काम आई और कई फिल्मों में उनके काम को दर्शकों से लेकर आलोचकों तक ने सराहा।हाल ही में अभिषेक ने अपनी पत्नी ऐश्वर्या को लेकर भी एक बयान दिया है। जिसमें वह उनको शुक्रिया कह रहे हैं। अभिषेक कहते हैं, 'मैं लकी हूं कि बाहर जाकर फिल्में बनाने का मौका मिलता है क्योंकि मुझे पता है कि ऐश्वर्या, आराध्या के साथ घर पर हैं। मैं इसके लिए उनका बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करता हूं।

भेड़िया के 2 साल पूरे होने का मनाया जश्न, वरुण धवन ने दी प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कृति सेनन और वरुण धवन की थ्रिलर फिल्म भेड़िया 2 की रिलीज के दो साल पूरे होने पर कृति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक दिल को छू लेने वाला वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने हॉरर-कॉमेडी के निर्माण और उससे जुड़ी यादों को साझा किया है।कृति सेनन और वरुण धवन स्टारर भेड़िया सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक है और इस हॉरर कॉमेडी ने हाल ही में दो साल पूरे किए हैं। कृति ने सोशल मीडिया पर दूसरी सालगिरह का जश्न मनाया। कृति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाला वीडियो शेयर किया, जिसमें हॉरर-कॉमेडी के सेट की यादों को साझा किया। कृति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें बीटीएस पलों और बेहद ही प्यारे सींस को उन्होंने पोस्ट किया है। कृति ने इन खास पलों को साझा करने के साथ ही कैप्शन में लिखा, ठइस खास फिल्म के 2 साल। मेरे कुछ पसंदीदा लोगों के साथ एक सुपर स्पेशल किरदार! मैं आप लोगों को बहुत-बहुत बधाई देती हूं!ठ वरुण धवन ने भी प्रतिक्रिया दी और दिल वाले इमोजी के साथ एक जैसा वीडियो शेयर किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ समय पहले कृति ने एक इंटरव्यू में वरुण धवन को अपना सबसे करीबी दोस्त बताया था। कृति ने वरुण के साथ अपने रिश्ते के बारे में कहा कि वरुण ही एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने उनके सबसे बुरे दौर में लगातार उनका हालचाल पूछा। उन्होंने एक पल को भी याद किया जब वरुण ने उन्हें मिमी के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने पर गर्मजोशी से गले लगाया था।

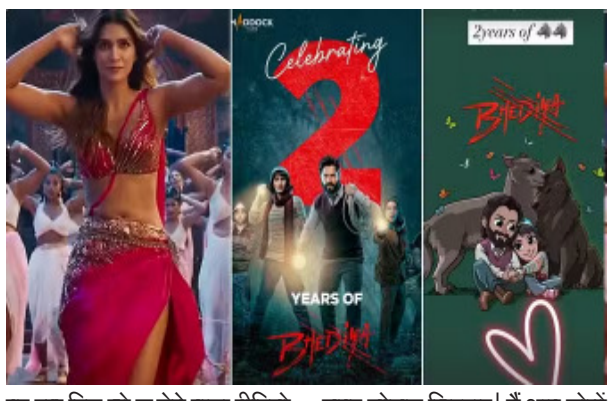

अभिषेक से अलगाव की खबरों के बीच ऐश्वर्या ने कहा-अपने मूल्यों से समझौता न करें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के अलगाव की खबर सुनने को मिल रही है। उनके अगले होने की अटकलें लगाई जा रही है। इसी बीच अब ऐश्वर्या ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे लगता है कि वह ऐसी बातें करने वालों को तगड़ा जवाब दे रही हैं।हाल ही में एक इंवेट में शामिल हुई ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बयान दिया है। जिसमें वह अपने मूल्यों से समझौता न करने की बात कर रही हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय से ऐश्वर्या और अभिषेक के अलगाव को लेकर तरह तरह की बातें की जा रही हैं। सोशल मीडिया पर कभी अभिषेक को निशाना बनाया जा रहा है तो कभी ऐश्वर्या के बारे में भी काफी कुछ कहा जा रहा है। ऐसे में अब ऐश्वर्या ने इस स्ट्रीट हरासमेंट को लेकर अपनी राय रखी है। ऐश्वर्या स्ट्रीट हरासमेंट के बारे में बात करती हैं और उससे निपटने का तरीका भी बताती हैं। वह कहती हैं, ' स्ट्रीट हरासमेंट से आप कैसे निपटते हैं? उन लोगों से आंखें नहीं मिलते हैं। नहीं ऐसा बिल्कुल ना करें। आप उस समस्या का सीधा सामना करें। हरासमेंट करने वाले व्यक्ति की आंखों में देखें और अपना सिर ऊंचा करके रखें। यह असल नारीवाद है। अपने मूल्यों से कभी समझौता ना करें। खुद पर कभी भी शक ना करें। अपने मूल्यों पर खड़े रहें। अपने पहनावे को इस हरासमेंट के लिए दोष ना दें। स्ट्रीट हरासमेंट की जिम्मेदार आप नहीं है, इसमें आपकी कोई गलती नहीं है।'अभिषेक बच्चन ने भी हाल ही में ऐश्वर्या को सराहा है। उन्होंने कहा कि वह फिल्में इसलिए कर पाते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि ऐश्वर्या घर पर बेटी आराध्या की देखभाल अच्छे से कर रही हैं। इस बयान के बाद से अभिषेक और ऐश्वर्या के बीच के मनमुटाव और अलगाव की खबरों पर अब सवाल खड़ा हो गया है। ऐसा लगता है कि ये सिर्फ अफवाहें थीं या फिर अब इनके बीच सबकुछ ठीक हो गया है।ऐश्वर्या की फिल्म करियर की बात करें तो वह दो साल पहले फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन' में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने कोई फिल्म नहीं की है। लेकिन वह बॉलीवुड से जुड़े कई बड़े इंवेट्स में नजर आती हैं।

लाखों में सिमटी 'भूल भुलैया 3' की कमाई, मंडे टेस्ट में बुरी तरह फेल 'आई वॉन्ट टू टॉक'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिनेमाघरों में लगी फिल्मों में हालिया रिलीज फिल्म है 'आई वॉन्ट टू टॉक' और सबसे ज्यादा खस्ता हाल यही है। कल सोमवार को बाकी फिल्मों ने कैसा कारोबार किया? चलिए जानेंनवंबर के महीने में दो बड़ी बॉलीवुड फिल्मों का उपहार दर्शकों को मिला- भूल भुलैया 3 और सिंघम 3। इनमें से मल्टी स्टारर फिल्म सिंघम 3 दर्शकों का दिल जीतने में नाकाम रही है। वहीं, भूल भुलैया 3 ने अपनी लागत से ज्यादा कमाई करके हिट का टैग तो हासिल कर लिया है, लेकिन वैसा आभामंडल नहीं रच पाई, जैसा स्त्री 2 सरीखी फिल्म ने रचा। आलम यह है कि महीनाभर होते-होते इसकी कमाई भी अब लाखों में सिमट गई है। कल सोमवार को बाकी फिल्मों ने कैसी कमाई की? वो भी जान लेते हैं... अभिषेक बच्चन अभिनीत फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' शुक्रवार 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसका निर्देशन शूजित सरकार ने किया है। रिलीज से पहले फिल्म की कहानी का खूब प्रचार किया गया। लेकिन, सिनेमाघरों में लगते ही दर्शकों ने इसे नकार दिया। ओपनिंग डे पर बहुत ही खराब प्रदर्शन करने वाली फिल्म रिलीज के चौथे दिन यानी कल पहले सोमवार की परीक्षा में बुरी तरह फेल हुई है। 'आई वॉन्ट टू टॉक' ने कल चौथे दिन सिर्फ 13 लाख रुपये कमाए। करीब 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म की चार दिनों की कमाई 1.46 करोड़ रुपये पहुंची है। इसे करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित जैसे सितारों से सजी फिल्म 'भूल भुलैया 2' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह फिल्म हिट हो चुकी है। लेकिन 250 करोड़ क्लब तक पहुंचने में इसे मशक्कत करनी पड़ रही है। अब इस फिल्म की कमाई लाखों में हो रही है। कल 25वें दिन भूल भुलैया 3 ने 90 लाख रुपये कमाए और इसका टोटल कलेक्शन 247.85 करोड़ रुपये हो गया है। सिंघम 3 तो पहले ही फ्लॉप घोषित हो चुकी है। 350 करोड़ रुपये की लागत वाली मल्टी स्टारर फिल्म सिंघम 3 ने कल सोमवार को सिर्फ 55 लाख कमाए और इसका नेट कलेक्शन 240.85 करोड़ है। इस समय लगी फिल्मों में अगर सबसे पुरानी फिल्म के तौर पर देखें तो वह है साउथ फिल्म 'अमरण'। यह 31 अक्तूबर को रिलीज हुई। करीब 130 रुपये बजट में बनी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी है।

शादी से पहले नागा चैतन्य-सोभिता धुलिपाला की नई तस्वीरें वायरल, फैंस ने दी प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नागा चैतन्य अपनी होने वाली पत्नी शोभिता धुलिपाला के साथ नई तस्वीरों में नजर आए। सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों के पोस्ट होते ही ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर मिनटों में वायरल हो गईं और इन तस्वीरों पर नागा और शोभिता के अलावा सामंथा रुथ प्रभु के प्रशंसक भी जमकर अपनी प्रतीक्रिया दे रहे हैं। नागा चैतन्य जल्द ही शोभिता धुलिपाला के साथ सात फेरे लेने वाले हैं। नागा और शोभिता की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। यह जोड़ा अपनी सगाई के बाद इस साल अगस्त से ही अपनी शादी की तैयारी कर रहा है और सुर्खियों में बना हुआ है। हालांकि यह जोड़ा अपने रिश्ते के बारे में निजी तौर पर बात करता रहा है, लेकिन इन नई तस्वीरों ने उनके रिश्ते की झलक दिखाई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इन तस्वीरों में नागा चैतन्य और शोभिता, सुशांत अनुमोलू और उनके परिवार के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। सुशांत द्वारा चैतन्य के जन्मदिन के अवसर पर शेयर की गई इन तस्वीरों में जल्द ही शादी करने वाले इस जोड़े को फोटो के लिए पोज देते हुए एक-दूसरे को करीब से पकड़े हुए दिखाया गया है। यह स्पष्ट नहीं है कि यह जोड़ा सुशांत से चैतन्य के जन्मदिन पर मिला था या तस्वीरें पहले ली गई थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में सामंथा ने पहली बार अपने तलाक के विषय पर खुलकर बात की। सामंथा ने कहा था, ठदुर्भाग्य से, हम एक ऐसे समाज में रहते हैं, जब भी कुछ गलत होता है, तो एक महिला को... मैं यह नहीं कह रही कि पुरुष ऐसा नहीं करते, पुरुष करते हैं, लेकिन एक महिला को बहुत अधिक आलोचना और बहुत अधिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, ना केवल ऑनलाइन, बल्कि वास्तविक जीवन में भी।ठ आगे सामंथा ने कहा, ठमेरे बारे में कई ऐसी बातें कही गईं जो बिल्कुल झूठ थीं। लेकिन मुझे क्या रोके रखा, मुझे याद है कि जब चीजें वाकई बहुत खराब थीं।हालांकि, सामंथा ने अभी तक नागा चैतन्य की दूसरी शादी पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है,लेकिन सामंथा के प्रशंसक नागा की इस तस्वीर को देखकर ज्यादा खुश नहीं हैं। नागा चैतन्य 4 दिसंबर को शोभिता से शादी करेंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।